ISSN 2349-6614

नवम्बर 2024 मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं सुरेश्वरी
हरीप्रिये नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं दयानिधे

NABH RGHS ESIC

डॉ. चौधरी हॉस्पिटल, उदयपुर

मल्टी व सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

आपका स्वास्थ्य,
हमारी जिम्मेदारी

डायलिसिस • आई.सी.यू व क्रिटिकल केयर • 24 x7 सीटी स्कैन • लेबोरेटरी • एक्स-रे • 3 डी व 4 डी सोनोग्राफी

मेडिसिन • न्यूरोलॉजी • गैस्ट्रोएंटरोलॉजी • सामान्य और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी • शिशु शल्य चिकित्सा • अस्थि रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • चर्म एवं रति रोग • यूरोलॉजी • शिशु रोग • नेफ्रोलॉजी • कैंसर रोग • न्यूरोसर्जरी • दंत चिकित्सा • साइकोलॉजी

9413317766
0294-2460474
www.chaudharyhospital.in

Medi Claim & Corporate Tie Ups

BSNL RAJRAS Apollo Munich BAJAJ Allianz HDFC ERGO HEALTH VIDAL HEALTH RELIGARE STAR

DR. CHAUDHARY HOSPITAL, 473, Sector 4, Hiran Magri, Udaipur

नवम्बर 2024 वर्ष : 22 अंक 07

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अंदर के पृष्ठों पर...

अंधकार समस्या और प्रकाश समाधान
पेज 10

गोवर्धन पूजा-अन्नकूटोत्सव : प्रकृति और गोधन के प्रति कृतज्ञता
पेज 18

पौराणिक-आध्यात्मिक प्रसंग और काशी का देव-दीपावली उत्सव
पेज 32

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

जयपुर का नया ट्यूरिस्ट डैस्टिनेशन

खोले के हनुमान जी में

रोप वे

पर आपका स्वागत है

45 मिनट की यात्रा मात्र 5 मिनट में रोप वे से पूरी कीजिए

8279077556, 8279077557

अन्नपूर्णा माता मन्दिर से
माता वैष्णो देवी मन्दिर तक

Udaipur Visit Incomplete Without Rope Way Ride

उदयपुर भ्रमण रोप-वे राईड बिना अधूरा है

Magnisicant View

Adorable Udaipur

समय प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक

बुकिंग हेतु सम्पर्क: अमित सुखवानी 8209949986

MANSHAPURN KARNI MATA ROPEWAY (P) LTD.

Sai Ram Associates
(Ticket Sales & Marketing)

Booking Office

Deendayal Park, Doodh Talai, Udaipur - 313001 (Raj.) INDIA
E-mail: udaipur_ropeway@yahoo.com

विदा हुए दूसरों के लिए जीने वाले 'रतन'

देश के एक उज्जवलतम उद्यमी रतन नवल टाटा के देहावसान से जो शून्य बना है, उसकी पूर्ति कभी नहीं हो पाएगी। पिछले माह (9 अक्टूबर) मुम्बई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे एक सफलतम कारोबारी होने के साथ परोपकार के लिए भी जाने जाते थे।

वे दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे फिर भी कभी अरबपतियों की किसी सूची में नहीं आए। उन्होंने 30 कंपनियों का संचालन किया। ये कंपनियां छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में हैं। उन्होंने एक साधारण जीवन जिया।

जीवन के तमाम पहलुओं में रतन टाटा का नाम प्रतिष्ठा, प्रशंसा और विस्मय पैदा करता है। वह संस्थाओं और उनकी स्वायत्तता का सम्मान करने वाले चंद लोगों में एक थे। संस्थाओं का निर्माण आसान होता है, लेकिन उनको अनवरत चलाए रखना कहीं अधिक मुश्किल । वरिष्ठ प्रबंधकों में फैसले लेने के अधिकार सहित स्वामित्व को बांट देना किसी भी लोकाचार में स्वाभाविक नहीं माना जाता, हमारे देश में तो और भी नहीं। फिर भी, रतन टाटा ने एक बार कहा था, नेतृत्व का मतलब सिर्फ प्रभारी होना नहीं है, बल्कि अपने अधीनस्थ तमाम लोगों की देखभाल करना भी है।

वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दान करते रहे। जो समाज से लिया, उसे लौटाने में उनका विश्वास था। चर्चा और चकाचौंध से दूर रहने वाले रतन टाटा को यश और दौलत का कभी गुमान नहीं रहा। उनकी सादगी के अनेक किस्से मशहूर हैं और उन्हें वक्त की पाबंदी के लिए भी जाना जाता है। अपनी सहजता-सरलता और जीवन मूल्यों के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे।

वह भारत और भारतीयों के बारे में हमेशा आशावादी रहे और वाकई वैसा ही जीते रहे, जैसा मार्क ट्वेन ने कहा था- खुद को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी दूसरे को खुश करने की कोशिश करना। रतन के साथ किसी की भी कोई मुलाकात प्रसन्नता और उम्मीद से बेजान नहीं रही। महात्मा गांधी कहते थे, खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है, दूसरों की सेवा में खो जाना। रतन टाटा ने इसे अपने जीवन में आत्मसात कर लिया था।

उनके पास कई सपने थे और जब वे उन्हें साकार करने की कोशिश में जुट जाते, तो फिर पीछे नहीं हटते थे। दरअसल, वे नाकामियों से हार मानने वाले व्यक्ति नहीं थे। एक लाख रुपए वाली नैनो कार उन सपनों में से है, जिसके तहत उनकी इच्छा थी कि निम्न आय वर्ग के पास भी अपनी कार हो। उन्होंने विमानन कंपनी एअर इंडिया को नए पंख दिए। इसके अलावा, सूचना क्रांति सहित रतन टाटा की अन्य पहलकदमियों ने मध्यवर्ग से लेकर गरीब तबकों के सपनों में रंग भरे। उन्होंने 'बोर्ड रूम' की बैठकों से आगे निकल कर मानवीय मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता और अपनी विनम्रता से एक गहरी छाप छोड़ी। उनकी नेकदिली और सादगी सभी का ध्यान आकृष्ट करती थी।

पूर्वजों से मिली विरासत को उन्होंने एक नई ऊंचाई दी। रतन टाटा ने मार्च 1991 से लेकर दिसंबर 2012 तक टाटा समूह की अगुआई की। उन्होंने जेआरडी टाटा के अवकाश ग्रहण के बाद समूह के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इस पद पर वे बाईस साल तक रहे और अपने कुशल नेतृत्व में उन्होंने पूरी दुनिया में टाटा समूह का कारोबार फैलाया। आज विश्व के सौ देशों में टाटा समूह का कारोबार फैला है तो इसके पीछे उनका ईमानदार नेतृत्व और व्यवसायिक दूरदर्शिता ही है। उनके सौतेले भाई नोएल टाटा ने टाटा समूह की जिम्मेदारी संभाली है वे इस कारोबारी समूह के प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। टाटा समूह की कई कंपनियों को उन्होंने रतन टाटा के मार्ग दर्शन में ऊंचाई तक पहुंचाया भी है। आशा की जानी चाहिए कि वे भाई की व्यापक सोच और विरासत को आगे बढ़ाते हुए उसी तरह राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगे।

हरियाणा में नायब बने नायक कश्मीर में उमर के सिर ताज

भाजपा ने हरियाणा में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 90 में से 48 सीट पर जीत दर्ज की। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यहां अपने बूते 47 सीटें जीती थीं। जहां हरियाणा में भाजपा ने भगवा लहरा दिया, वहीं घाटी में 'इंडिया' ने धूम मचा दी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 90 में से 48 सीट पर जीत दर्ज की। हरियाणा में नायब सिंह सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं जब कि अगस्त 2019 में धारा 370 हटने के बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला ने शपथ ली है। हरियाणा में 'आप' को जनता ने नकार दिया। जबकि जम्मू-कश्मीर में उसे एक सीट नसीब हुई।

सनत जोशी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है। विधानसभा की कुल 90 सीटों में से भाजपा के खाते में 48 सीटें गई हैं। जबकि कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। राज्य में उसकी झाड़ू काम नहीं कर पाई। पार्टी का यहां खाता भी नहीं खुला। दिल्ली के बाद पंजाब में सत्ता पाने में कामयाब रही आम आदमी पार्टी हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन पर बातचीत सफल नहीं होने के बाद अकेले विधानसभा चुनाव में उतरी थी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदया समेत पार्टी के कई नेताओं ने राज्य में चुनाव प्रचार किया था। जम्मू कश्मीर में आप को एक सीट मिली है। जम्मू-कश्मीर ने कम और हरियाणा के नतीजों ने विशेषज्ञों को ज्यादा चौंकाया है। तमाम एग्जिट पोल के नतीजे खासकर हरियाणा में बुरी तरह से नाकाम हुए हैं और भारतीय जनता पार्टी ने यहां लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया है। भाजपा की यह जीत उसके मनोबल को बहुत बढ़ाएगी। वहां साल 2014 से लगातार भाजपा ही सत्ता में है, पिछली बार उसे बहुमत से कम सीटें मिली थीं, सरकार बनाने के लिए गठबंधन करना पड़ा था, पर इस बार उसे अकेले दम पर बहुमत हासिल होना बहुत मायने रखता है। अभी चार महीने पहले ही लोकसभा चुनाव के जो नतीजे आए थे, उसमें भाजपा और कांग्रेस के खाते में पांच-पांच सीटें गई थीं, जिससे यह अंदाजा लगाया गया था कि हरियाणा में लोग बदलाव चाहते हैं। एग्जिट पोल ने भी बदलाव का ही अनुमान लगाया था, पर हरियाणा में भाजपा के नेताओं को पूरा श्रेय देना होगा। पार्टी में असंतोष और शिकायतों के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार बचा ली। दूसरी ओर, कांग्रेस को अति-आत्मविश्वास, नेताओं का असंतोष और शिकायतों का अंबार बहुत भारी पड़ा है।

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत कठिन लड़ाई बड़े पैमाने पर जीत ली है। भाजपा अपनी जीत को लेकर यहां खुद आश्वस्त नहीं थी। शायद यही कारण था कि चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक जान लड़ा देने वाली पार्टी ने वोटिंग से 2 दिन पहले अपने हाथ खड़े कर लिए थे। प्र.म. नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आदि ने भी हरियाणा में 2 दिन पहले पैकअप कर लिया। फिर भी भारतीय जनता पार्टी ने जैसा प्रदर्शन हरियाणा में किया वो अपने आप में मिसाल है। इस जीत के कई कारण हो सकते हैं। कांग्रेस की हार के भी कई कारण हो सकते हैं सबके अपने-अपने तर्क भी हो सकते हैं।

हरियाणा में अटकलों के विपरीत

भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत यूं ही नहीं मिली। प्रभावी दिखाई दे रही कांग्रेस और दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माइक्रो मैनेजमेंट का दायित्व संभाला। भाजपा के रणनीतिकारों के अनुसार, चुनाव के दौरान प्र.म. मोदी ने राज्य की जमीनी थाह ले ली थी। जब देखा कि कार्यकर्ताओं में उत्साह कुछ कम है तो बूथ प्रबंधन की पाठशाला में स्वयं बूथ कार्यर्ताओं को उत्साह-ऊर्जा का बूस्टर डोज दिया और लिख डाली तीसरी बार प्रचंड विजय की पटकथा।

हरियाणा चुनाव में जाट और गैर-जाट का मुद्दा निर्णायक साबित हुआ। जाट कांग्रेस की तरफ केंद्रित हो गए थे। हालांकि गैर-जाट को अपनी तरफ करने की उसने भरपूर कोशिश की, पर उसमें कामयाब नहीं हो सकी। फिर, इस बार आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी आदि दलों ने भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। कुल मिला कर चार फीसद से अधिक वोट इन दलों को मिले हैं। भाजपा के अपने प्रतिबद्ध मतदाता इधर से उधर नहीं हुए। फिर, कई जगहों पर मतदान बहुत कम हुआ। इन सबका असर कांग्रेस पर पड़ा। छोटे दलों ने जो वोट अपने पाले में खींचे, वे अगर मिल जाते, तो कांग्रेस की जीत निश्चित थी। मगर भाजपा ने चुनाव से कुछ समय पहले मुख्यमंत्री बदल कर और गैर-जाट वोट को आकर्षित कर अपनी शानदार विजय सुनिश्चित कर ली। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हुए चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। एक समय तो ऐसा लग रहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अकेले दम पर ही बहुमत के आंकड़े तक पहुंच जाएगी। पीडीपी का प्रयोग नाकाम रहा है। अच्छी बात यह है कि यहां हवा अलगाववादियों के भी मुताबिक नहीं थी। घाटी या कश्मीर के लोगों ने अब्दुल्ला परिवार पर पूरा विश्वास जताया है और उमर अब्दुल्ला जिस तरह से जमीनी आधार पर लोगों से वोट मांग रहे थे, उनका यह तरीका काम कर गया है। करीब पांच महीने पहले ही आम चुनाव में बुरी तरह हारने वाले उमर को विधानसभा चुनाव में अपनी दोनों ही सीटों पर मिली कामयाबी

हरियाणा विधानसभा चुनाव : किसे कितनी सीट

भाजपा	कांग्रेस	इनेलो	निर्दलीय
48	37	02	03

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव : किसे कितनी सीट

एनसी	भाजपा	कांग्रेस	पीडीपी	जेपीसी	माकपा	आप	निर्दलीय
42	29	06	03	01	01	01	07

उनके खोए हुए आत्मविश्वास को लौटा देगी। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि कश्मीर में जहां लोग नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में हैं, वहीं जम्मू में लोग भाजपा के साथ गए हैं। जम्मू में भाजपा की सफलता और मजबूती का असर यह होगा कि श्रीनगर में सत्ता का संतुलन बना रहेगा। लोगों ने संतुलन बना दिया है और उसी संतुलन के अनुरूप नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को चलाना पड़ेगा। चुनाव का एक संदेश यह भी है कि अनुच्छेद-370 से घाटी के लोगों का अभी पूरा मोहभंग नहीं हुआ है। मगर ताजा चुनाव व उसके नतीजे एक नई शुरुआत की तरह हैं और पीछे मुड़कर न देखने में ही जम्मू-कश्मीर की भलाई है। नई सरकार को अब सकारात्मक रुख दिखाने के साथ शासन की राह में आने वाली बाधाओं को भी पार करना है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में हालात पहले जैसे नहीं हैं। उपराज्यपाल के पास असीमित शक्तियां हैं। मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर कई प्रशासनिक मामलों में प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजने होंगे। ऐसे में नौकरशाही नई सरकार के काम में कितनी मददगार साबित होगी, यह देखने की बात है। एक तरफ गठबंधन सरकार को वे सभी वादे पूरे करने हैं, जो उसने मतदाताओं से किए हैं, दूसरी तरफ उसे विकास योजनाओं को लागू करने के लिए केंद्र सरकार से सहायता की दरकार होगी। ऐसे में केंद्र से भी अपेक्षा की जाती है कि वह राज्य के रचनात्मक विकास में उदारता दिखाएगा। जम्मू-कश्मीर में मजबूत लोकतंत्र और शांतिपूर्ण वातावरण बनाने के साथ उसके विकास के लिए यह समन्वय बहुत जरूरी है।

इस्तीफे के अलावा नहीं था कोई और विकल्प

किसी भी पद-त्यागी के प्रति भारतीय जनमानस उदार रहा है। हर राज्य में ऐसे नेता रहे हैं, जिन्होंने पद छोड़कर अपने राजनीतिक कद को बढ़ाया है। जेपी, बाल ठाकरे से लेकर सोनिया गांधी तक ऐसे कद्दावर नेताओं के अनेक उदाहरण हैं। अरविंद केजरीवाल का मामला कुछ अलग है। फिर भी वे अपना राजनीतिक कद बढ़ाने पर जोर लगाएंगे। ठहरी हुई 'आप' को गति देना चाहेंगे। हालांकि, उनकी राह आसान नहीं है।

पंकज कुमार शर्मा

तेरह सितम्बर को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत पाने वाले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर अपनी सहयोगी आतिशी सिंह को मुख्यमंत्री बनवा दिया है। उनसे यह सवाल पूछा जा सकता है कि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का ख्याल उन्हें कथित शराब नीति घोटाले में लगभग 177 दिन तिहाड़ जेल में गुजारने के बाद क्यों आया? जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है कि उन्होंने नाखून कटा कर शहीद होने के अंदाज में यह कह कर इस्तीफा दिया कि पूरी तरह से आरोप मुक्त होने तक वे और उनके साथ लंबे समय तक उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया कोई पद नहीं लेंगे। हालांकि इस्तीफे के अलावा उनके पास कोई विकल्प था ही नहीं। वे इस बात को छुपाना चाहते हैं कि उन दोनों की जमानत की शर्तों में यह शामिल है कि वे न तो सचिवालय जा सकते हैं और न ही कोई फाइल देख सकते हैं। चूकि किसी के जेल जाने पर जबरन इस्तीफा देने का कोई विधान नहीं है अन्यथा जेल में रहते हुए वे जिस तरह छह महीने मुख्यमंत्री बने रहे वह पूरी तरह से अनैतिक था। शराब घोटाले के आरोप में जेल जाने से केजरीवाल और 'आप' की परेशानी यही है कि इस आरोप ने उनके मूल दावे को ही ध्वस्त कर दिया। ईमानदार राजनीति के दावे के साथ ही केजरीवाल राजनीति में आए। भले ही उनकी जीत में मुफ्त बिजली-पानी आदि देने के वादे का असर ज्यादा रहा लेकिन वे और उनके साथी सबसे बड़ी पहचान अपनी ईमानदारी को मानते और प्रचारित करते रहे। मगर अब उनकी साख दांव पर है। शराब घोटाले ने उनके भविष्य की राजनीति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। वे और उनकी पार्टी के इस आरोप में कोई दम नहीं है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार उनकी सरकार को काम नहीं करने दे रही है और भ्रष्टाचार के बेबुनियाद आरोप लगा कर परेशान कर रही है। अस्मितावादी राजनीति के हिसाब से यह संतोष की बात है कि आतिशी सिंह जैसी सुशिक्षित महिला के साथ दिल्ली को तीसरी महिला मुख्यमंत्री मिली है। लेकिन, इस मौके पर राजनीति की वह सुयोग्य महिला भी याद आती हैं जिनका नाम शीला दीक्षित है। देश की सुयोग्य मुख्यमंत्रियों में से एक शीला दीक्षित को दिल्ली की जनता ने इसलिए नकार दिया क्योंकि अण्णा आंदोलन ने उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। हालांकि उन आरोपों के सबूत लेकर अदालत में आम आदमी पार्टी का एक भी कार्यकर्ता आगे नहीं आया। अरविंद केजरीवाल ने आतिशी सिंह को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला अगर जेल जाने के पहले कर लिया होता तो आज उनके तथाकथित आदर्श का चेहरा अवसरवादी नहीं दिखता। जेल में जाने के पहले वे मुख्यमंत्री आवास को छोड़ देते तो शायद उनके आदर्श को आम आदमी पार्टी के रूप में एक स्थायी मुकाम मिल गया होता। लोग इसे 'नौटंकी' न कहते। आतिशी सिंह 2020 में पहली बार विधायक बनीं और साल भर पहले ही मंत्री बनी थीं। वह दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से ग्रेजुएट हैं, और ऑक्सफोर्ड से मास्टर्स किया है। शेवनिंग स्कॉलरशिप और रोड्स की फेलोशिप जीती हैं। दिल्ली में शिक्षा का मॉडल खड़ा करने तथा मोहल्ला समितियों के निर्माण में भी उनकी बड़ी भूमिका रही हैं। दिल्ली के इस प्रकरण को लेकर चर्चा यह भी चल पड़ी है कि मुख्यमंत्री का पद एक खेल बनकर रह गया है। कुछ महीनों पहले हेमंत सोरेन जेल गए, तो उन्होंने अपनी जगह चंपाई सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री बना दिया और जब जेल से बाहर निकले, तो फिर गद्दी पर बैठ गए। बिहार में लालू प्रसाद यादव इसी तरह के कदम के लिए बदनाम रहे हैं। उन्होंने अपनी पत्नी को ही अपना उत्तराधिकारी बना दिया था। लगता है कि मुख्यमंत्री सांविधानिक पद न होकर मजाक बन गया है। इस पद की गरिमा खोती जा रही है। एक प्रदेश का मुख्यमंत्री होना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है, पूरे प्रदेश के लोगों का उससे जुड़ाव होता है। जमानत मिल जाने से किसी की बेगुनाही साबित नहीं हो जाती, पर कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में जिस ढंग से गिरफ्तारियां हुईं और फिर उन लोगों की जमानत को रोकने का प्रयास होता रहा, उससे धनशोधन निवारण कानून के दुरुपयोग का गंभीर मामला उठा। बार-बार सर्वोच्च न्यायालय ने जांच एजंसियों को फटकार लगाई। इससे यह भी संदेश गया कि धनशोधन निवारण कानून पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। जांच एजंसियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। भ्रष्टाचार निवारण के नाम पर जांच एजंसियां लोगों को गिरफ्तार तो कर लेती हैं, पर उनमें दोष सिद्धि न हो पाने के कारण उनका मकसद ही प्रश्नांकित होने लगता है। पहले जांच एजंसियों की निष्पक्षता सुनिश्चित होगी, तभी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने का भरोसा जगेगा।

Happy Diwali

HRi

HOTEL RAJKAMAL INTERNATIONAL

123- Bye Pass Road, Bhuwana, Udaipur (Raj.)

Ph.: 0294-2440770, 2440085, 9649244085

E-mail: rajkamaludr@gmail.com

Website: www.hotelrajkamal.com

For Your Comfortable Stay

अंधकार समस्या और प्रकाश समाधान

डॉ. पुष्पेन्द्र मुनि

ज्योति का पर्व दीपावली है। पुरुषार्थ का पर्व दीपावली है। दीपावली आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। दीपावली हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है।

लगातार 16 प्रहर भगवान महावीर ने दीपावली की रात जो उपदेश दिया उसे हम 'प्रकाश पर्व' का श्रेष्ठ संदेश मान सकते हैं। भगवान महावीर की यह शिक्षा मानव मात्र के आंतरिक जगत को आलोकित करने वाली है। तथागत बुद्ध की अमृत वाणी 'अप्पदीवो भव' अर्थात 'आत्मा के लिए दीपक बन' वह भी इसी भावना को पुष्ट कर रही है। इतिहासकार कहते हैं कि जिस दिन ज्ञान की ज्योति लेकर नचिकेता यमलोक से मृत्युलोक में अवतरित हुए वह दिन भी दीपावली का ही दिन था।

यद्यपि लोक मानस में दीपावली एक सांस्कृतिक पर्व के रूप में अपनी व्यापकता सिद्ध कर चुका है। फिर भी यह तो मानना ही होगा कि जिन ऐतिहासिक महापुरुषों के घटना प्रसंगों से इस पर्व की महत्ता जुड़ी है, वे अध्यात्म जगत के सर्वोच्च शिखर पुरुष थे। इस दृष्टि से दीपावली पर्व लौकिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता का अनूठा पर्व है।

यह बात सच है कि मनुष्य का रूझान हमेशा प्रकाश की ओर रहा है। अंधकार को उसने कभी न चाहा न कभी माँगा। 'तमसो मा ज्योतिगर्मय' भक्त की अंतर भावना अथवा प्रार्थना का यह स्वर भी इसका पुष्ट प्रमाण है। अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल इस प्रशस्त कामना की पूर्णता हेतु मनुष्य ने खोज शुरू की। उसने सोचा कि वह कौन-सा दीप है जो मंजिल तक जाने वाले पथ को आलोकित कर सकता है। अंधकार से घिरा हुआ आदमी दिशाहीन होकर चाहे जितनी गति करें, सार्थक नहीं हुआ करती। आचरण से पहले ज्ञान को, चारित्र पालन से पूर्व सम्यक्त्व को आवश्यक माना है। ज्ञान जीवन में प्रकाश करने वाला होता है। शास्त्र में भी कहा गया- 'नाणं पयासयरं' अर्थात ज्ञान प्रकाशकर है। हमारे भीतर अज्ञान का तमस छाया हुआ है। वह ज्ञान के प्रकाश से ही मिट सकता है। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वत: समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। इक्कीसवीं सदी मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर उन सभी समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। क्योंकि किसी पशु अथवा जानवर के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। अनावश्यक हिंसा का जघन्य कृत्य भी मनुष्य के सिवाय दूसरा कौन कर सकता है ? आतंकवाद की समस्या का हल तब तक नहीं हो सकता जब तक मनुष्य अनावश्यक हिंसा को छोड़ने का प्रण नहीं करता।

मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ अंधकार टिक नहीं सकता। एक बार अंधकार ने ब्रह्माजी से शिकायत की कि सूरज मेरा पीछा करता है। वह मुझे मिटा देना चाहता है। ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज से पूछा तो जवाब मिला कि मैं अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर, आप पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसे देखना चाहता हूँ। ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधकार बोला- मैं उसके सामने कैसे आ सकता हूँ ? अगर आ गया तो मेरा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

हालांकि दीपावली एक लौकिक पर्व है। फिर भी यह केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का पर्व भी बने। हम अपने भीतर भी धर्म का दीप जलाकर मोह और मूर्च्छा, के अंधकार को दूर कर सकते हैं। दीपावली के मौके पर सभी आमतौर से अपने घरों साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का प्रयास करते हैं। उसी प्रकार अगर भीतर चेतना के आँगन पर जमे कर्म के कचरे को बुहारकर साफ किया जाए, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास किया जाए और उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर दिया जाए तो मनुष्य शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद को प्राप्त हो सकता है।

अंधकार जीवन की समस्या है और प्रकाश उसका समाधान। जीवन जीने के लिए सहज प्रकाश चाहिए। प्रारंभ से ही मनुष्य की खोज प्रकाश को पाने की रही है। अंधकार हमारे अज्ञान का, दुराचरण का, दुष्टप्रवृत्तियों का, आलस्य और प्रमाद का, बैर और विनाश का, क्रोध और कुंठा का, राग और द्वेष का, हिंसा और कदाग्रह का अर्थात अंधकार हमारी राक्षसी मनोवृत्ति का प्रतीक है। जब मनुष्य के भीतर असद् प्रवृत्ति का जन्म होता है, तब चारों ओर वातावरण में कालिमा व्याप्त हो जाती है। अंधकार ही अंधकार नजर आने लगता है। मनुष्य हाहाकार करने लगता है। मानवता चीत्कार उठती है। अंधकार में भटके मानव का क्रंदन सुनकर करुणा की देवी का हृदय पिघल जाता है। ऐसे समय में मनुष्य को सन्मार्ग दिखा सके, ऐसा प्रकाश स्तंभ चाहिए। इन स्थितियों में हर मानव का यही स्वर होता है कि-प्रभो, हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। बुराइयों से अच्छाइयों की ओर ले चलो। मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो । इस प्रकार हम प्रकाश के प्रति, सदाचार के प्रति, अमरत्व के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए आदर्श जीवन जीने का संकल्प करते हैं। प्रकाश हमारी सद् प्रवृत्तियों का, सज्ञान का, संवेदना एवं करुणा का, प्रेम एवं भाईचारे का, त्याग एवं सहिष्णुता का, सुख और शांति का, ऋद्धि और समृद्धि का, शुभ और लाभ का, श्री और सिद्धि का अर्थात् दैवीय गुणों का प्रतीक है। यही प्रकाश मनुष्य की अंतर्चेतना से जब जागृत होता है, तभी इस धरती पर सतयुग का अवतरण होने लगता है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर ही नहीं, अपने भीतर भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है- हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर कायरता का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं। असल में दीया उन लोगों के लिए भी चुनौती है जो अकर्मण्य और दिशाहीन होकर भी उड़ान के सपने देखते हैं। जबकि दीया नवोन्मेष का संकल्प है।

प्रत्यूष

काश! आज इंदिरा गांधी होतीं....

वेदव्यास

भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को जानने की पहली पुस्तक जवाहर लाल नेहरू द्वारा लिखे गए पत्रों का वह संकलन है जिसे 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' (1931) बहुतों ने पढ़ा है। नेहरू के समय पर उनके बचपन में यह लिखे गए और पत्र इस बात की साक्षी हैं कि कोई एक पिता अपनी पुत्री को कैसे देखता और बनाना चाहता है। इंदिरा गांधी इसीलिए जवाहर लाल नेहरू का सपना थीं। 19 नवंबर, 1917 को इलाहाबाद में जन्मी इंदिरा गांधी का यह पहला सौभाग्य था कि तब उनकी जन्मस्थली 'आनंद भवन' भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र था और महात्मा गांधी तथा उनके दादा मोतीलाल नेहरू की सरपरस्ती में जवाहर लाल नेहरू एक स्वाधीनता सेनानी की भूमिका निभा रहे थे। इंदिरा जब केवल 19 वर्ष की थी उनकी मां कमला नेहरू का देहांत हो गया था। पुत्री और पिता का यह एकाकी रिश्ता बताता है कि इंदिरा में दायित्व बोध कूट-कूटकर भरा था। आगे चलकर इंदिरा का एक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता फिरोज गांधी के साथ विवाह हुआ। फिरोज गांधी तब कमला नेहरू की चिकित्सा सेवा के दौरान स्वीट्जरलैंड में इंदिरा के निकट आए थे और जवाहर लाल नेहरू की इच्छा के विपरीत इन दोनों का विवाह था। यह वह समय था जब यूरोप में दूसरे विश्वयुद्ध को लेकर अफरा-तफरी मची थी, भारत में आजादी का आंदोलन गंभीर मोड़ तो ले रहा था और जवाहर लाल नेहरू बार-बार जेल यात्राएं कर रहे थे। ऐसी विकट परिस्थिति में इंदिरा गांधी ने अपना घर संसार बसाया था। तब शायद किसी ने भी नहीं सोचा था कि कांग्रेस में वानर सेना की यह सदस्य एक दिन भारत के इतिहास में प्रियदर्शिनी और प्रधानमंत्री बनकर उभरेंगी। दरअसल, जवाहर लाल नेहरू ही इंदिरा गांधी के मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणा थे।

जब नेहरू का 1964 में देहांत हुआ और लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने तो इंदिरा गांधी को उन्होंने सूचना-प्रसारण मंत्री बनाया

और उन्हीं दिनों इंदिरा गांधी ने हमारे आकाशवाणी कलाकार संघ का दिल्ली के नगर निगम सभागार में उद्घाटन किया था। मुझे याद है कि तब अविभाजित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव श्रीपद अमृत डांगे ने हमें संस्कृति, समाज और जनसंचार माध्यमों की भूमिका पर महत्वपूर्ण उद्बोधन किया था। यह आकाशवाणी में मजदूर आंदोलन का प्रारंभ था। इसी के परिणामस्वरूप इंदिरा गांधी ने पहली बार आकाशवाणी के कलाकारों को अनुबंध की बंधुवा मजदूरी से मुक्ति दिलाकर नियमित केंद्रीय कर्मचारी का दर्जा देने का निर्णय सुनाया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी इंदिरा गांधी से मुझे मिलने का सुयोग मिला और आज मैं उस स्मृति को याद करते हुए यही कहना चाहता हूं कि वह एक दृढ़ प्रतिज्ञ और दुस्साहसी महिला थी। उनमें मां की ममता और शासक की कठोरता थी। वह नेहरू की तरह भावुक और स्वप्नदर्शी तो नहीं थी लेकिन देश की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति अत्यधिक सजग थीं। इंदिरा गांधी का ही साहस था कि उन्होंने संविधान में पहली बार लोकतांत्रिक समाजवाद की अवधारणा को स्थापित किया और 1969 में देश की 14 बड़ी बैंकों का राष्ट्रीयकरण संभव हुआ।

उन्होंने कांग्रेस में विघटन का जोखिम उठाकर भी समाजवाद विरोधी तत्वों से कोई समझौता नहीं किया और 1970 में लोकसभा के चुनाव करवाकर अपनी लोकप्रियता को स्थापित किया। राजा-महाराजाओं के प्रीवीपर्स और विशेषाधिकार समाप्त करने का निर्णय लिया। यह तब 'गरीबी हटाओ' के नारे का दौर था। इसके साथ ही पूर्वी पाकिस्तान को 'बांग्लादेश ' के रूप में 1971 में मुक्ति दिलाने के लिए भी इंदिरा गांधी को ही इतिहास याद करता है तो पहली हरित क्रांति के लिए भी उन्हें भुला नहीं पाता है। पोकरण का पहला परमाणु विस्फोट भी इंदिरा गांधी की ही तैयारी था तो 1975 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में उठे संपूर्ण क्रांति के आंदोलन को आपातकाल लागू करके दबाने का अलोकप्रिय फैसला भी उन्हीं का था।

आज हम जब इंदिरा गांधी के 1917 से 1984 के जीवनकाल को देखते हैं तो लगता है कि आपातकाल का लागू करना और पृथकतावादी खालिस्तान के आंदोलन में स्वर्ण मंदिर में सैनिक कार्रवाई करवाना उनका सबसे कठोर और विवादास्पद फैसला था और उसके मुख्य कारण यही थे कि कांग्रेस के विघटन के बाद देश में सामंती और फासिस्टवादी धार्मिक ताकतों का उन्माद बढ़ गया था और देश में अराजकता का जोर ही चला था। इन दो निर्णयों को छोड़कर इंदिरा गांधी के प्रत्येक फैसलों पर आम जनता कभी विभाजित नहीं हुई और एकजुट रही।

इंदिरा गांधी की याद इसलिए भी आती है कि कांग्रेस में वैचारिक ऊर्जा फूंकने का काम सबसे पहले उन्होंने ही किया था और उन पर कभी कोई भ्रष्टाचार और दुराचार के आरोप जनता ने नहीं लगाए थे। राष्ट्र निर्माण की इस प्रक्रिया में इंदिरा गांधी को आज भी आम लोग आदर से देखते हैं और बलिदान की परंपरा ही मानते हैं। कई समीक्षक मानते हैं कि इंदिरा गांधी कठोर थीं लेकिन हमारा ऐसा मानना है कि इंदिरा गांधी में बुनियादी परिवर्तन की ऐसी नायिका थीं जो समता और न्याय के साथ-साथ विकास को समर्पित थीं। षडयंत्रों की राजनीति में सबसे अधिक संघर्ष भी उन्होंने ही किया था और पाकिस्तान को उसकी हैसियत उन्होंने ही बताई थी। भारत को विश्व मानचित्र पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने का श्रेय आज उन्हीं को जाता है। यह कटु सत्य भी अलग है कि कांग्रेस आज नेहरू, इंदिरा, राजीव और महात्मा गांधी की प्रेरणा पर कम ध्यान दे रही है और समाजवाद तथा धर्मनिरपेक्षता के महत्व को भी कम समझ रही है। फिर भी इंदिरा गांधी का 31 अक्टूबर, 1984 का बलिदान हमें एक बार पुन: यही याद दिलाता है कि दुनिया के किसी देश में आज तक ऐसी शक्तिशाली और जन कल्याण को समर्पित एक महिला का इतिहास हमारे बीच अन्यत्र नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार हैं)

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें, झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें।
-धम्मपद

नितिन मेनारिया, डायरेक्टर, 94137-52497

शंकरलाल मेनारिया, संस्थापक/संचालक
प्रिंसीपल

बाल विनय मंदिर, उच्च माध्यमिक विद्यालय
(आवासीय)

J-11, हरिदासजी की मगरी, उदयपुर 313 001
Ph.: 0294-2430388, Mobile: 94141 64388 E-mail: balvinaymandirschool@gmail.com

वही उगेगा, जो डूबेगा

पुष्पा शर्मा

समाज का सूर्य पर विश्वास अतुलनीय है। इसी का उत्कर्ष हम चार दिवसीय महापर्व छठ में निहारते हैं। अनुपम श्रद्धा और आस्था के साथ पूर्वांचल के लोग सूर्य उपासना के लिए उमड़ पड़ते हैं। मुख्यरूप से निरोगी काया और लम्बी आयु की कामना करते हैं। सूर्य अनादि काल से अक्षय ऊर्जा का स्त्रोत है और यह ऊर्जा तन-मन-धन का आधार है।

छठ इस संसार में अपनी तरह का अकेला ऐसा लोकपर्व है, जो अपनी व्यंजना में बहुआयामी है। इसमें धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक आयाम की सबसे ज्यादा प्रबलता है। सूर्य इस त्योहार का केंद्र हैं। सूर्य जीव जगत के आधार हैं। सूर्य के बिना कोई भी भोग- उपभोग संभव नहीं है। अत: सूर्य के प्रति आभार प्रदर्शन के लिए छठ या सूर्य षष्ठी व्रत मनाया जाता है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सूर्य उन क्षेत्रों के लिए सबसे उपयोगी देव हैं, जहां पानी की उपलब्धता ज्यादा है। पूर्वांचल में नदियों का जाल बिछा हुआ है, ऐसे में सूर्य से ताप लेना जीवन के लिए सबसे जरूरी हो जाता है। हमारी सूर्य केंद्रित संस्कृति कहती है कि वही उगेगा, जो डूबेगा। अत: छठ में पहले डूबते और फिर अगले दिन उगते सूर्य की पूजा स्वाभाविक है। व्रत करने वाला जब भगवान दिनकर से ताप मांगने या आभार जताने घर से निकलता है, तो किसी तालाब, नदी के तट पर ही जाता है। अर्थात हे सूर्यदेव! आपने जल दिया है, उसके लिए आभार, लेकिन आप अपने ताप का आशीर्वाद भी हम पर बनाए रखें। निरोग रहने के लिए भी सूर्य की बड़ी जरूरत है। सूर्य रोगनाशक शक्ति हैं। अक्सर लोग छठ महापर्व के समय स्वास्थ्य को लेकर भी प्रार्थना करते हैं छठ पर्व शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के चर्म रोग, यहां तक कि कुष्ठ जैसे भयानक चर्म रोग से मुक्ति के लिए भी किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब ने भी कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए सूर्य देव की आराधना की थी। छठ पूजा करने वाले व्रतियों की इस पर्व में अगाध श्रद्धा है। उन्हें इस बात में दृढ़ आस्था रहती है कि भगवान सूर्य से मांगी गई हर मुराद निश्चित पूरी होती है। लोक विश्वास यह भी है कि छठ व्रत-उपवास करने वाले परिवार में कुष्ठ या चर्म रोग नहीं होते हैं। इस बात की पुष्टि भविष्य पुराण भी करता है। इसकी चर्चा मार्कण्डेय पुराण में भी मिलती है। इस पर्व में व्रती द्वारा जो साधना की जाती है, वह इतनी कठोर होती है कि मुनियों ने इस पर्व को हठयोग की संज्ञा दी है। इस व्रत को करने वाले व्यक्तियों द्वारा पूरे 36 घंटे तक जल भी ग्रहण नहीं करना, पूरे समय नंगे पांव चलना, रात में भूमि पर शयन करना, गृहस्थ जीवन में एक हठयोग की तरह ही है। सूर्य की पूजा का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है, किन्तु छठ व्रत का उल्लेख भविष्य पुराण एवं महाभारत में स्पष्ट रूप से मिलता है। प्राचीन समय से चला आ रहा छठ पर्व ही ऐसा है, जिसमें पुरुष प्रधान समाज में भगवान भास्कर से पुत्री प्राप्ति की कामना की जाती है। इस व्रत के गीत 'रुनकी-झुनकी बेटी मांगिला, पढ़ल पंडितवा दमाद' में इस प्रार्थना को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मुख्य रूप से छठ में प्रकृति प्रदत्त सामग्री नीबू, गन्ना, गुड़, मूली, नारियल, केला, साठी (एक प्रकार का धान) और गेहूं से बने प्रसाद के साथ जलाशयों में खड़े हो कर पूजा की जाती है। इस पर्व में रात्रि में मिट्टी से बने हाथी की पूजा भी करने का प्रावधान है यह एक बुनियादी तथ्य है कि सूर्य के बिना भारत की जैव विविधता, जीवन और स्वास्थ्य का मेल नहीं बन सकता। आधुनिक जीवन की मजबूरी में जब अक्षय ऊर्जा की बात होती है, तब लोगों की नजर सूर्य की ओर ही जाती है। मतलब किन्हीं अर्थों में सूर्य हमारे अतीत ही नहीं, भविष्य भी हैं। छठ का एक संकल्प, हे सूर्य देव, आपने अन्न, सब्जियां, फल, फूल, जल, दूध दिए, आपने जो भी दिया, हम वे सब आपको अर्पित कर रहे हैं, आप हम पर आगे भी कृपा बनाए रखें। हे सूर्य, हमें सक्षम बनाना, अगली बार हम आएंगे ज्यादा सामग्री, तैयारी के साथ आपको अर्घ्य देने के लिए। एक और बड़ी बात, इस दिन घाट पर कोई भेद नहीं रहता, न जाति, न धर्म, न गरीब, न अमीर। सारे लोगों का लक्ष्य एक ही होता है। छठ सदियों से स्वच्छता-पवित्रता का संदेश देने वाला पर्व है। अगर इसके इस पक्ष को भी हम ठीक से समझ लें, तो हमारा जीवन सुखमय हो सकता है।

कशिश क्लिनिक

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत

B.A.M.S. रजि. नं. 27528
आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक
www.kashishclinic.com
www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी,
दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुडाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड़, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)
0294-2425522, +919460277 035

प्रत्यूष

महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव का शंखनाद

राजस्थान में भजनलाल सरकार की पहली परीक्षा भी 13 नवम्बर को

गौरव शर्मा

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के साथ ही विभिन्न राज्यों की 47 विधान सीटों व नादेंड़ (महाराष्ट्र) तथा वायनाड, (केरल) में लोकसभा सीटों पर उपचुनाव का शंखनाद हो चुका है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होगा तो झारखंड में दो चरण में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। सभी नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। दोनों राज्यों के चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन की साख दांव पर है। नतीजे केंद्र में मोदी सरकार पर असर भले ना डालें लेकिन इससे भावी समीकरण जरूर प्रभावित होंगे। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में पिछड़ने के बाद एनडीए के सामने सत्ता बचाने की चुनौती तो है ही, शिवसेना और एनसीपी में हुए विभाजन पर मतदाताओं की मुहर लगवाने की भी चुनौती तो शिंदे सरकार के कामकाज का आकलन भी होगा।

जिन 14 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें से नौ में एनडीए की सरकारें हैं। उपचुनाव में खास तौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजस्थान के भजनलाल शर्मा की प्रतिष्ठा इस रूप में दांव पर है कि वे उपचुनाव वाली सीटों में से भाजपा के कब्जे वाली सीटें ही हासिल कर पाते हैं या उससे अधिक। लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद यूपी में सीएम योगी को अपनी लोकप्रियता फिर से साबित करने का मौका है। उपचुनाव वाली सीटों में भाजपा के पास चार और सहयोगी रालोद के पास एक सीट थी। राजस्थान में सात सीटों में से भाजपा के पास केवल एक सीट थी। इन चुनावों का असर चार महीने बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। झारखंड में कई महीनों से चल रही राजनीतिक उठापटक ने देश में बड़ा असर दिखाया है। झामुमो के नेतृत्व में चल रही हेमंत सोरेन सरकार के कामकाज का आकलन तो नतीजों से होगा ही, सोरेन की गिरफ्तारी से उपजी राजनीतिक खींचतान की प्रतिध्वनि भी चुनावी समर में सुनाई देगी। एक बात तो साफ है कि दोनों राज्य के नतीजों की गूंज मुंबई और रांची से अधिक पूरे देश में सुनाई देने वाली है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत ने भाजपा के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। हालांकि कांग्रेस भी लोकसभा चुनाव की जीत के उत्साह से लबरेज है। कांग्रेस लोकसभा तो भाजपा हरियाणा में अप्रत्याशित जीत से कार्यकर्ताओं में जोश भरने में जुटी है। महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा था। भाजपा को 105 और शिवसेना को 56 सीटें मिली। मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों में खींचतान हुई और शिवसेना ने भाजपा का साथ छोड़कर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। 2 वर्ष 7 माह बाद शिवसेना और एनसीपी में विभाजन हो गया। एक धड़ा भाजपा के साथ आया और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले 50 साल में भाजपा के देवेन्द्र फड़णवीस को छोड़कर कोई मुख्यमंत्री पूरे 5 साल पद पर नहीं रहा। पिछले 40 वर्ष में महाराष्ट्र में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिल पाया है।

झारखंड विधानसभा हो या लोकसभा, वोट शेयर में भाजपा आगे

2020 विधानसभा चुनाव			2024 लोकसभा (14 सीटें)		
पार्टी	सीटें	वोट प्रतिशत	पार्टी	सीटें	वोट प्रतिशत
झामुमो	30	19	भाजपा	8	45.1
भाजपा	25	33.8	झामुमो	3	14.8
कांग्रेस	16	14.1	कांग्रेस	2	19.5
आजसू	02	8.2	आजसू	1	2.6
अन्य	08	12.8	भाजपा और आजसू गठबंधन में।		

महाराष्ट्र विभाजित शिवसेना-एनसीपी की विस में पहली परीक्षा

2019 विधानसभा चुनाव			2024 लोकसभा (48 सीटें)		
पार्टी	सीटें	वोट प्रतिशत	पार्टी	सीटें	वोट प्रतिशत
भाजपा	105	26.1	कांग्रेस	13	17
शिवेसना	56	16.6	भाजपा	09	26.4
एनसीपी	54	16.9	शिवसेना (उद्धव)	09	16.9
कांग्रेस	44	16.1	एनसीपी (शरद)	08	10.3
अन्य	29	24.3	शिवसेना (शिंदे)	07	13

महाराष्ट्र चुनाव की तारीख बड़ी दिलचस्प है। यदि किसी दल या गठबंधन को बहुमत नहीं

मिला या कोई मतभेद हो गया तो राष्ट्रपति शासन की नौबत भी आ सकती है। राज्य में चुनाव परिणाम 23 नवंबर को आएगा और 72 घंटे के अंदर नई सरकार को शपथ लेनी पड़ेगी। दरअसल, विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। इससे पहले नई सरकार का गठन संवैधानिक बाध्यता है।

राजस्थान में 3 विधानसभा और एक लोकसभा सीट जीतने के बाद भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) झारखण्ड विधानसभा चुनाव में भी 15-20 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। पिछले दिनों झारखंड दौरे पर आए पार्टी संस्थापक सांसद राजकुमार रोत ने रांची में यह घोषणा की। यह पहली बार है जब भाजपा झारखंड में तीन दलों के साथ चुनाव में उतर रही है। पार्टी 2005 और 2009 में जदयू के साथ विधानसभा चुनाव में उतरी थी। 2014 के चुनाव में जदयू से गठबंधन टूट गया था। पार्टी ने 8 सीटें आजसू को दी थीं और गठबंधन कर 73 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2024 के चुनाव में पार्टी में 13 सीटें गठबंधन को देने की घोषणा की है। झारखंड में भाजपा चुनाव सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि भाजपा का अपने सहयोगियों के साथ सीटों पर तालमेल पूरा हो गया है। इसमें आजसू को 10, जदयू को 2 और लोजपा को 1 सीट देने पर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले में गिरफ्तारी के चलते बीच में पद छोड़ना पड़ा था। उनके बाद पांच माह तक चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद संभाला था जेल से रिहाई के बाद हेमंत ने 4 जुलाई 2024 को एक बार फिर पद संभाला उन्होंने चंपई सोरेन को हटाकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अलग राज्य बनने के बाद झारखंड में अब तक कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई है। ढाई दशक में किसी एक दल को यहा बहुमत भी नहीं मिल सका है। राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होगा और अन्य राज्यों के साथ 23 नवंबर को मतगणना होगी। उप चुनाव वाली सीटें झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़। ज्ञातव्य है कि 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के मात्र 11 माह में फिर चुनाव हो रहे हैं। उप चुनाव 5 सीटों पर विधायकों के सांसद बनने और दो सीटों पर विधायकों के निधन के कारण हो रहे हैं। इन 7 सीटों में सिर्फ सलूंबर भाजपा के पास थी। बाकी 6 में 4 सीटों पर कांग्रेस, एक पर बीएपी और एक पर आरएलपी का विधायक था। इन सीटों के उपचुनाव एक तरह से भाजपा की भजन सरकार के 10 माह के कामकाज पर जनता की प्रतिक्रिया भी होगी।

उपचुनाव वाली विधानसभा सीटें

राजस्थान	07	केरल	02	बिहार	04
छत्तीसगढ़	01	उत्तराखंड	01	कर्नाटक	03
प. बंगाल	06	एमपी	02	सिक्किम	02
असम	05	गुजरात	01	मेघालय	01
पंजाब	04	यूपी	08		

प्रियंका का प्रवेश

केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को टिकट दिया गया है। यह प्रियंका गांधी का पहला लोकसभा चुनाव होगा। लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना था और वायनाड छोड़ी थी।

Madanlal Chaanra
Director
92144 53304

Happy Diwali

MOTOROLA
Dealers : 2-Way Radios

Mobile Communications
WIRELESS ENGINEERS (Free Warranty Services)

243/17, "Nundee", Ashok Nagar, (Maya Misthan)
Opp. Vigyan Samiti, UDAIPUR-313001 (Raj.)
Ph. : 0294-2420455 E-mail : mobcom@gmail.com

Ministry of Communicaions & IT Lic. No. AJR/DPL/04/2000
PAN# : ADJPC3852C TIN #08164003800

गोवर्धन पूजा-अन्नकूटोत्सव : प्रकृति और गोधन के प्रति कृतज्ञता

दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। इसे अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। मेवाड़ के श्री नाथद्वारा सहित देश के विभिन्न मंदिरों-गोशालाओं में इसके विशेष अनुष्ठान होते हैं। गोवर्धन जी को 56 प्रकार के व्यजंनों का भोग लगाया जाता है।

अशोक तम्बोली

दीपावली के ठीक दूसरे दिन उत्तर भारत में अन्नकूट या गोवर्धन पूजा का त्योहार मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है। जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोवर्धन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गोधन की। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। गोवर्धन पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्योहार का भारतीय लोक जीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा संबंध

दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट उत्सव होता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था।

प्रचलित कथाएं - एक बार भगवान श्री कृष्ण अपने सखा और गोप-ग्वालों के साथ गाय चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में जा पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि हजारों गोपियां गोवर्धन पर्वत के पास छप्पन प्रकार के व्यंजन से भोग लगाकर बड़े उत्साह से नाच-गाकर उत्सव मना रही हैं। भगवान श्री कृष्ण ने जब उनसे पूछा कि यह कैसा उत्सव मनाया जा रहा है तो गोपियों ने बताया कि यहां भगवान इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए इंद्रोज नामक यज्ञ किया जा रहा है। आज तो घर-घर में यह उत्सव मनाया जा रहा होगा, क्योंकि आज बृसासुर को मारने वाले मेघों और देवों के स्वामी इन्द्र का पूजन होता है। यह सुनकर भगवान श्रीकृष्ण बोले,

हमें इन्द्र से भी बली गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए जिसकी तराई में हम सब रहते हैं और जो साक्षात हमारी रक्षा करते हैं।

नारद मुनि इंद्रोज यज्ञ देखने की इच्छा से ब्रज में आये थे, उन्हें भी इंद्रोज यज्ञ के स्थगित होने का तथा गोवर्धन पूजा का समाचार मिला। नारद स्वभाव के अनुसार इंद्रलोक जा पहुंचे तथा भगवान इंद्र से बोले, गोकुल निवासियों ने इंद्रोज यज्ञ बंद करके आपसे बलवान गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी है। हो सकता है किसी दिन वे श्रीकृष्ण की प्रेरणा से आपके राज्य पर भी हमला कर इंद्रासन पर भी अधिकार कर लें। यह सुनकर देवराज इंद्र क्रोधित हो गए और उन्होंने मेघों को आज्ञा दी कि वे गोकुल में जाकर भयंकर प्रलय सा दृश्य उत्पन्न कर दें। मेघ ब्रज भूमि जाकर मूसलाधार बरसने लगे। समूचा गांव जल में डूबने लगा। सभी ब्रजवासी भयभीत होकर श्रीकृष्ण की शरण में जाकर रक्षा की प्रार्थना करने लगे।

गोप और गोपियों की करुण पुकार सुनकर श्रीकृष्ण बोले, तुम सब गोवर्धन पर्वत की शरण में चलो। वही सबकी रक्षा करेंगे।

कुछ ही देर बाद सब गोप-ग्वाल पशुधन सहित गोवर्धन पर्वत की तराई में आ गये। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर छाता सा तान दिया जिसके नीचे सारे ग्रामवासी एवं पशु जमा हो गये। सात दिनों तक वे उसी की छाया में रहकर अतिवृष्टि से बच पाये। श्रीकृष्ण ने सातवें दिन गोवर्धन पर्वत को धरती पर रखा और ब्रजवासियों से कहा कि तुम प्रतिवर्ष गोवर्धन पर्वत का पूजन करके अन्नकूट का पर्व मनाया करो। उसके बाद से सारे ब्रजवासी गोवर्धन पर्वत और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने लगे। तभी से यह परंपरा आज तक कायम है। भगवान के नैवेद्य में नित्य के नियमित पदार्थों के अलावा यथा सामर्थ्य दाल, चावल, कढ़ी, साग, रायता, भुजिया चटनी, मुरब्बे, अचार पापड़ आदि अनेकों प्रकार के पदार्थ बनाये जाते हैं।

दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum Corporation Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

प्रत्यूष

'एक देश-एक चुनाव' की राह में चुनौतियों का अम्बार

एक देश एक चुनाव का मुद्दा इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में है। केन्द्र में सत्तारूढ़ एनडीए बहुत पहले से ही दृढ़ है, जबकि विपक्षी दल एक रूपता लाने की इस कोशिश का विरोध कर रहे हैं। चल रही बहस व अनुकूल-प्रतिकूल टिप्पणियां तो इसी ओर इशारा करती हैं कि एक देश एक चुनाव कराना आसान नहीं होगा।

अमित शर्मा

एक देश एक चुनाव को लेकर 2 सितम्बर 2023 को एक समिति गठित की गई थी। जिसकी अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने की थी। कमेटी के सदस्यों ने सात देशों की चुनाव व्यवस्था का अध्ययन, विशेषज्ञों से चर्चा और शोध के बाद 191 दिन में 18 हजार 626 पन्नों की एक रपट तैयार की जिसमें सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया गया है। एक देश एक चुनाव की सिफारिश करने वाली रपट को केन्द्रीय केबिनेट ने मंजूरी भी दे दी है। सरकार ने इस मसले पर विपक्ष से एक राय बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और किरण रिजीजू को जिम्मेदारी सौंपी है। अनुमान है कि सरकार शीतकालीन सत्र में इस प्रस्ताव को पेश कर सकती है। सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं, जिन्हें पार करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास की जरूरत है।

क्या है एक देश एक चुनाव

एक देश एक चुनाव यानी (वन नेशन वन इलेक्शन) का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव हों। देश की सभी 543 लोकसभा सीटों और सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल 4130 विधानसभा सीटों पर एक साथ चुनाव होंगे। मतदाता सांसद और विधायक चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर अपना वोट डाल सकेंगे। अभी देश में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते रहे हैं।

सरकार के सामने चुनौती

एक साथ चुनाव लागू करने के लिए कई संवैधानिक संशोधनों को पारित करना होगा। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी, जिसके तहत लोकसभा में 361 वोट और राज्य सभा में 156 वोट चाहिए होंगे। लोकसभा में एनडीए के पास 293 सीटें हैं, जो आवश्यक 361 से 68 कम है। छोटे गैर-गठबंधन दलों के 16 वोटों को भी एनडीए के साथ जोड़ दें तो फिर भी उसे विपक्ष के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। वहीं इंडिया गठबंधन के पास 237 सीटें हैं और दो सीटें नांदेड़ और वायनाड सीट खाली है। मौजूदा परिदृश्य को देखतें तो केन्द्र को यहां मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। राज्यसभा में भी इसे पारित करना मुश्किलों भरा होगा। यहां राजग के पास 121 सीटें हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक 156 से बहुत कम हैं। इंडिया गठबंधन के पास 87 सीटें हैं, जो एनडीए की राह को और जटिल बनाती हैं। वहीं, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, बसपा और सपा इसका विरोध कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों को डर है कि अगर लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे तो राष्ट्रीय मुद्दे प्रमुख हो जाएंगे और वे स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा नहीं पाएंगे।

क्या फायदा होगा

देश में एक देश एक चुनाव लागू होने से कई फायदे होंगे। देश में बार-बार चुनाव कराने में सुरक्षा एवं जनशक्ति समेत कई चीजों पर बहुत पैसा खर्च होता है। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अनुमानित कुल खर्च करीब 1.35 लाख करोड़ रुपए तक हुआ है, जो कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बहुत अधिक है। 2019 में 60 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अगर राज्यवार विधानसभा व स्थानीय चुनाव का खर्च भी जोड़ा जाए तो अंदाजा लगाइए कि ये

खर्च कितना होगा। ऐसे में एक देश एक चुनाव लागू होने पर चुनाव खर्च में कमी आएगी।

प्रशासनिक कार्यों में तेजी

चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होने से नीति निर्माण और विकास कार्यों में रुकावट आती है। अगर पांच साल में सिर्फ एक बार आचार संहिता लागू होगी तो स्वाभाविक है कि प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी। बार-बार चुनाव लोकलुभावन नीतियों को बढ़ावा देते हैं। एक साथ चुनाव लम्बी अवधि की नीति योजना और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होंगे। एक साथ चुनाव होने से मतदाता एक ही समय में मतदान कर सकेंगे, जिससे मतदाता भागीदारी में वृद्धि होगी।

आम सहमति से हो अंतिम फैसला

चूंकि फैसला बड़ा है, अत: किसी पर थोपने के बजाय सहमति से करने पर ज्यादा जोर होना चाहिए। जो व्यावहारिक अड़चनें हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है। शंकाओं का बाजार भी गर्म है। बीते लोकसभा चुनाव में सौ से भी ज्यादा दिन खर्च हुए थे। सात चरणों में मतदान कराने में 44 दिन खर्च हुए हैं। चुनाव आयोग कितना सक्षम है? क्या वह लोकसभा चुनाव के साथ ही, तमाम विधानसभाओं के चुनाव करा पाएगा? कितने लोगों की सेवा लगेगी और कितने सुरक्षाकर्मियों का इंतजाम करना पड़ेगा? इतने बड़े पैमाने पर चुनाव आयोजित करने में आने वाली तमाम अड़चनों का क्या अनुमान लगा लिया गया है?

प्रत्यक्ष-परोक्ष लाभ

देश में एक साथ चुनाव कराने के कई प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ है। वर्तमान में हर समय देश में किसी न किसी हिस्से में चुनाव होते ही रहते हैं और बार-बार मानव श्रम के रूप में सरकारी मशीनरी इसमें व्यस्त हो जाती है। इससे अनावश्यक आर्थिक बोझ देश को वहन करना पड़ता है। इससे चुनावों पर होने वाले खर्चों में निरंतर वृद्धि होती जा रही है, जो देश की आर्थिक सेहत के लिए ठीक नहीं है। जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां का प्रशासनिक अमला महीनों पहले से चुनाव की तैयारियोंमें जुट जाता है। आदर्श आचार संहिता लग जाने के कारण सरकारी योजनाएं अटक जाती हैं और देश का विकास कार्य अवरुद्ध हो जाता है।

अबूझ पहेली

सरकार ने भले ही एक देश एक चुनाव की ओर बढ़कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं, लेकिन यह कोई आसान काम नहीं है। कोविंद समिति की अनुशंसाओं के मुताबिक, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के चुनाव भी कराने होंगे, जबकि यह राज्य सरकार का विषय है। ऐसे में यदि केन्द्र उन पर एक साथ चुनाव कराने का दबाव बनाता है, तो यह राज्यों के क्षेत्राधिकार में दखल और संघीय ढांचे पर हमला माना जाएगा। यह ऐसी चुनौती है, जिसे दूर करना काफी मुश्किल हो सकता है। इसी तरह , यह भी अब तक साफ नहीं हो सका है कि यदि बीच में कोई सरकार गिरती है या हाल-फिलहाल में जिस तरह गिराई जाती रही है, उसी तरह गिराई जाती है, तब फिर क्या होगा? कुल मिलाकर, अभी यह एक अबूझ पहली की तरह है।

लोकतांत्रिक मूल्यों का आधुनिक आदर्श भारत एक महत्वपूर्ण सुधार की दहलीज पर खड़ा हैं– एक देश एक चुनाव। एक ऐसे राष्ट्र के रूप में, जिसने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए मानदंड स्थापित किए हैं, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम इस बात पर विचार करें कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणालियों की प्रभावशीलता, समानता और स्थिरता को कैसे बेहतर बनाया जाए। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चुनाव जरूरी हैं, पर उन्हें देश के राष्ट्रीय विकास के एजेंडे की सेवा करनी चाहिए, न कि इसमें बाधा डालनी चाहिए। एक साथ चुनाव भारतीय शासन की पूरी क्षमता को अनलॉक करेगा। यह हमारे लोकतंत्र को सुव्यवस्थित करने के साथ ही प्रेरणा का काम कर सकता है।

–प्रो. गौरव वल्लभ, भाजपा नेता

एक देश एक चुनाव नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा छेड़ा गया जितना बड़ा शिगूफा है, उससे कहीं ज्यादा भारत के गौरवशाली संघीय ढांचे पर प्रहार करने की खतरनाक कोशिश है। उसे पता है कि संशोधन तभी पास हो पाएगा, जब लोकसभा में इसके पक्ष में 362 सांसद वोट करेंगे। अभी पूरा एनडीए मिलाकर 293 सांसद ही है। कमोबेश एनडीए की यही हालत राज्यसभा में भी है। मगर सत्ताधारी मंडली को देश के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कोई न कोई मुद्दा तो चाहिए ही।

–सुप्रिया श्रीनेत, चेयरपर्सन, सोशल मीडिया, कांग्रेस

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

भूख, कुपोषण, शोषण और तस्करी का शिकार बचपन

अकेले भारत में सड़सठ लाख बच्चे भूखे पेट सो जाते हैं। यह संख्या सूडान, माली जैसे देशों से भी ज्यादा है। सर्वेक्षक इसे शून्य खाद्य स्थिति करार देते हैं, जो गंभीर खाद्य असुरक्षा की गहन चिंताएं उत्पन्न करती है। बाल दिवस (14 नवम्बर) पर प्रस्तुत है– *जयप्रकाश त्रिपाठी* का विशेष आलेख।

भूखमरी और कुपोषण की सबसे बड़ी वजह आर्थिक असमानता, निर्धनता और महंगाई है। प्रभावित आबादी खाद्य व पदार्थों के साथ पेयजल और स्वच्छता से भी वंचित होती जा रही है। बढ़ती भुखमरी की दूसरी बड़ी वजह सरकारी योजनाओं और नीतियों का समुचित रूप से क्रियान्वयन न हो पाना है। विश्व में युद्धों और सूखा, बाढ़, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने भी इस हालात को कठिन बनाया है। कृषि गतिविधियां छिन्न-भिन्न हुई हैं। खाद्य उत्पादन का असमान वितरण हो रहा है।

आज जब पूरी दुनिया में तकनीकी, समृद्धि और आधुनिकता कुलांचे भर रही है, विभाजित आर्थिकी वाले मानव समाज में भूख और कुपोषण समस्या बना हुआ है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (संयुक्त राष्ट्र) के महानिदेशक गिल्बर्ट हुंगबो ने इस सच्चाई से पर्दा उठाया है कि भूख मिटाने के लिए दुनिया भर में करोड़ों बच्चों को स्कूल के बजाय मजदूरी के लिए भेजा जा रहा है। इतना ही नहीं, उन्हें गलत कामों के लिए भी मजबूर किया जा रहा है। बर्दाश्त से बाहर महंगाई के बीच कोविड महामारी के बाद से मासूमों के साथ यह सितम और तेज हुआ है।

ऐसा नहीं कि यह दुनिया के सिर्फ गरीब मुल्कों में हो रहा है, आनुपातिक रूप से ऊंची आर्थिकी वाले देशों में भी यह अधोगति जारी है। ज्यादातर बच्चों, किशोरों को खेती-बाड़ी, खनन, निर्माण आदि क्षेत्रों में झोंका जा रहा है। इस त्रासदी की वजह गरीबी और भूख है। दुनिया में लगभग 16 करोड़ बच्चे ऐसे हालात से दो-चार हो रहे हैं। बीते दो दशकों में, पहली बार ऐसे हालात नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। बाल मजदूरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यूक्रेन-रूस, इजराइल-

फिलिस्तीन युद्धों के कारण भी महंगाई ने लोगों की जिंदगी जटिल बना दी है।भूख मिटाने के लिए बच्चों को भी शरीरिक श्रम के लिए मजबूर किया जा रहा है।

यह सच्चाई है कि अकेले भारत में सड़सठ लाख बच्चे भूखे पेट सो जाते हैं। यह संख्या सूडान, माली जैसे देशों से भी ज्यादा है। सर्वेक्षक इसे 'शून्य खाद्य' की स्थिति करार देते हैं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2023 के मुताबिक इस त्रासदी की जद में काम पर जाने वाले बच्चे और किशोर ही नहीं, बल्कि उनमें छह से ग्यारह माह के तीस

फीसद, 12 से 17 माह के तेरह फीसद और 18 से 23 माह के आठ फीसद शिशु भी शुमार हैं। इस बीच हमारे देश में अल्प पोषण व्यापक 14.6 फीसद से बढ़कर 16.3 फीसद हो चुकी है। ऐसे में कुपोषित बच्चों की निगरानी और उन्हें इस जटिल हालात से उबारने के लिए कोई व्यापक नीति बनाना भी सरकारों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो चुका है। आंकड़ों के मुताबिक, हमारे देश में लगभग साठ फीसद बच्चे दुग्ध आदि पोषक आहार से वंचित हो रहे हैं।

बच्चों के भयावह शोषण की एक बड़ी वजह बाल तस्करी भी है। गरीबी, मानवीय संकट और शिक्षा की कमी इसकी उच्च दर को हवा दे रही है। मुश्किल तो यह है कि इसका कोई सटीक आंकड़ा मिल पाना आसान नहीं होता। वैश्विक चुनौती बन चुकी बाल मजदूरी के बारे में एक अनुमान के मुताबिक, हर साल बीस हजार से अधिक बच्चों की तस्करी हो रही है। बच्चों की व्यापक सुरक्षा, तस्करी की रोकथाम, कानूनी प्रवर्तन और पीड़ितों की अपेक्षित सहायता के तकाजे के बावजूद यह तादाद हर वर्ष बढ़ती जा रही है। प्रति वर्ष कम से कम तीन लाख बच्चे अगवा होते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में बच्चे तस्करों के हाथ लग जाते हैं।

अधिनियम किसी बच्चे से मजदूरी कराने को गैरकानूनी करार देता है, लेकिन पिछली राष्ट्रीय जनगणना (2011) के मुताबिक देश के कुल 25.964 करोड़ बच्चों में से 1.012 करोड़ भिन्न प्रकार की मजदूरी में पाए गए। विश्व में ऐसे बच्चों की संख्या 21.7 करोड़ से अधिक बताई जाती है। यूनिसेफ और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रपट बताती है कि पहले की अपेक्षा बाल मजदूरों की तादाद में 89 लाख तक की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार बाल मजदूरी के सबसे अधिक मामले तेलंगाना में दर्ज हो रहे हैं। असम दूसरे स्थान पर रहा है। ज्यादातर बच्चे ईंट निर्माण उद्योग में कार्यरत पाए गए हैं। यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में बाल मजदूर कठोर श्रम कर रहे हैं।

भारत में गरीबी और बाल श्रम की स्थितियां अब तो भयावह होती जा रही है, जिसके खतरनाक नतीजे बच्चों के भारी शोषण के रूप में सामने आ रहे हैं। पांच किलो राशन पर आश्रित 80-81 करोड़ परिवारों में से ज्यादातर लोग आर्थिक असुरक्षा, बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। अधिकतर बाल मजदूर ऐसे ही परिवारों से आते हैं।

इस बीच वैश्विक असमानता को रेखांकित करने वाली संयुक्त राष्ट्र की ताजा रपट बताती है कि दुनिया में लगभग अस्सी करोड़ लोग रोजाना भूखे पेट सो जाते हैं, दूसरी तरफ भोजन की लगभग एक अरब थालियां बर्बाद कर दी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 रपट के मुताबिक बीते अकेले एक वर्ष में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद कर दिया गया, जिसमें से करीब 20 फीसदी खाद्य कूड़े में फेंक दिया गया। आज लाखों लोग जहां भूखे पेट सो रहे हैं, बाजार में उपलब्ध खाद्य उत्पादों का लगभग पांचवा हिस्सा बर्बाद कर दिया जा रहा है। अब तो यह बर्बादी वैश्विक त्रासदी बनती जा रही है। यह बर्बादी जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान का भी सबब बन रही है।

यूएन की एक रपट के मुताबिक सालाना, सबसे ज्यादा 63.1 करोड़ टन (लगभग 60 फीसद) भोजन घरों में बर्बाद कर दिया जा रहा है। दुनिया के संपन्न लोगों में हर व्यक्ति वार्षिक कम से कम दो क्विंटल से ज्यादा भोजन बर्बाद कर देता है। बीते तीन वर्षों में संयुक्त राष्ट्र इस स्थिति पर बारिकी से नजर रख रहा है। भोजन की यह बर्बादी संपन्न और विपन्न दोनों तरह के देशों में समान रूप से पाई गई है। उच्च, उच्च मध्यम और निम्न मध्य आय वाले देशों के बीच प्रति व्यक्ति वार्षिक खाद्य अपशिष्ट दर में केवल सात किलोग्राम का फर्क देखा गया है, लेकिन शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच ऐसी बर्बादी में अंतर पाया गया है। मध्यम आय वाले देशों में ग्रामीण आबादी अपेक्षाकृत कम भोजन बर्बाद करती है। संयुक्त राष्ट्र की कोशिश है कि भोजन की बर्बादी 2030 तक पचास फीसद कम कर दी जाए।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

फाल्के अवार्ड से मिथुन सम्मानित

मिथुन चक्रवर्ती का भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के से सम्मानित होना देश में फिल्म कला ही नहीं, बल्कि कला के आम सर्वहारा पारखियों का भी सम्मान है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 8 अक्टूबर को आयोजित 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने यह सम्मान प्रदान किया। बांग्ला, ओडिया, भोजपुरी सहित अनेक भाषाओं में फिल्में करने वाले मिथुन को बड़ी व्यावसायिक कामयाबी साल 1982 में 'डिस्को डांसर' से मिली थी और उसके बाद उन्हें कभी पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। घर एक मंदिर, प्यार झुकता नहीं, गुलामी उनकी बहुचर्चित फिल्में हैं। नृत्य, गीत में बेहतरीन अभिनय के साथ, मारधाड़ के दृश्यों में स्वाभाविकता, भावपूर्ण दृश्यों में गहराई और चरित्रों में डूब जाने की कला उन्हें सबसे अलग खड़ा कर देती है। साल 1978 में ख्यात निर्देशक मृणाल सेन के निर्देशन में अपनी पहली ही फिल्म 'मृगया' के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय सम्मान हासिल किया था। सिने दुनिया में ऐसे गिने-चुने अभिनेता हुए हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही कृति या प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय सम्मान जीता है और आगे चलकर व्यावसायिक रूप से बहुत कामयाब भी हुए हैं। दादा साहेब फाल्के सम्मान पाने वाले वह 54वें कलाकार हैं। मिथुन के बारे में यह कहा जा सकता है कि वह जहां भी खड़े हो जाते हैं, अपने लिए मुकम्मल जगह बना लेते हैं और सबका ध्यान खींच लेते हैं। 'अग्निपथ' में उनकी छोटी सी भूमिका बड़ा संदेश देने में कामयाब रही।

'ताहादेर कथा' जैसी शानदार बांग्ला फिल्म हो या 'गुरू' जैसी हिंदी फिल्म, एक मैथड एक्टर के रूप में वह खूब चमकते हैं,

पर उनकी दलाल, चिता, जल्लाद, रावण राज शैली की चटक-भड़कीली फिल्में भी खूब हैं, जो छोटे कस्बों, एक स्क्रीन वाले सिनेमाघरों और मजदूरों-गरीबों के बीच खूब व्यापार करती हैं। मिथुन समाज के उस वर्ग के नायक रहे हैं, जिसे अपने स्तर का शुद्ध मनोरंजन चाहिए, बोझिल संदेश-उपदेश नहीं। अति-नाटकीयता, अति-अभिनय इस वर्ग को कुछ देर के लिए ही सही उनकी अपनी असली परेशानियों से अलग दुनिया में ले आता है। मिथुन चक्रवर्ती की यह सिनेमाई छवि उनके वास्तविक व्यवहार में भी साफ झलकती है, वह देश के सिने संसार के मजदूरों, जूनियर कलाकारों, जरूरतमंदों के एकाधिक संगठनों-संस्थाओं के नेता अभिभावक रहे हैं। समारोह में संगीतकार एआर रहमान को सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि संगीत, ऋषभ शेट्टी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार और नित्या मेनन और मानसी पारेख को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। राष्ट्रपति ने कुल 85 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया।

-उदय प्रजापत

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a

Happy Diwali

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अरिहन्त वाटिका

45,000 वर्ग फीट का हरा-भरा लॉन, आकर्षक विद्युत सज्जा

पार्किंग की पूरी व्यवस्था

मीठे पानी की सुविधा

12 कमरे व 2 हॉल उपलब्ध

मो.: 9414902400, 9414166467

सेन्ट ग्रिगोरियस स्कूल के पीछे, शनि महाराज मन्दिर के सामने, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर

DP

30
लाख परिवारों
का विश्वास

D.P. Jewellers

A BOND OF TRUST SINCE 1940

A VENTURE OF D.P. ABHUSHAN LTD.

दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएँ

उदयपुर : 17, न्याय मार्ग, कोर्ट चौराहा (0294-2418712/13

TOLL FREE No.: 1800 202 0339 www.dpjewellers.com

✦ RATLAM ✦ INDORE ✦ BHOPAL ✦ UDAIPUR ✦ UJJAIN ✦ BHILWARA ✦ KOTA ✦ BANSWARA ✦ AJMER

deepak

PARIDHAN nxG

(The Clothing Store)

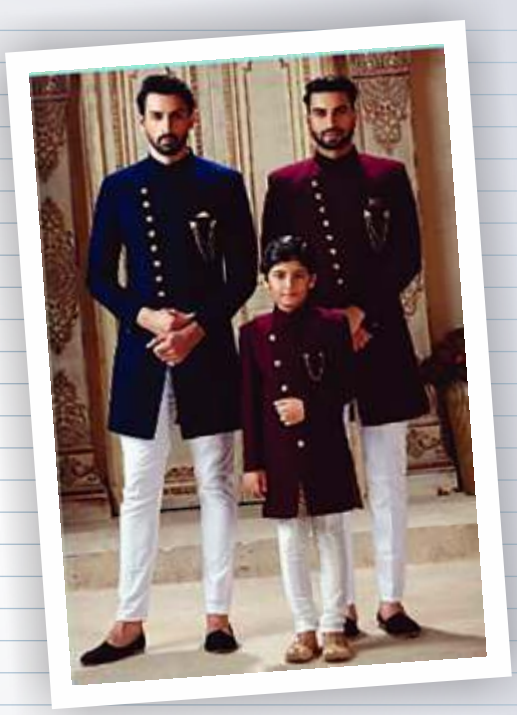

• शूटिंग • शर्टिंग

• कोट पैंट • जोधपुरी सूट

Raymond Siyaram's DONEAR

Near Sudha Hospital, CPS School, Main Road, New Bhopalpura,
Udaipur (Raj.) Mobile: +91-8233810111

THE SUCCESS GROUP OF INSTITUTIONS
H.O. : "SUCCESS CAMPUS" Rudraksh Complex, University Road, Udaipur
MIRANDA SR. SEC. SCHOOL
Hiran Magri Sec.5 Udaipur (Rajasthan)
Ph: 0294-2464056,9414546333
THE PRAYAS PUBLIC SCHOOL
Tekri Udaipur (Rajasthan)
Mob: 9462514121
SWAMI VIVEKANAND
Sr. Sec. School
Mali Colony, New Anand Vihar,
Udaipur (Rajasthan), Mob: 9462514102
ROYAL ACADEMY
Secondary School
Opp North Sunderwas, Pratap Nagar,
Udaipur, Mob: 9116091101
THE SUCCESS POINT
"SUCCESS CAMPUS" University Road,
Udaipur, Mob: 9928522906
THE SUCCESS COLLEGE
"SUCCESS CAMPUS" University Road,
Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88
स्कूल एक्सीलेंस अवार्ड2024
FELICITATED
BY EDUCATION MINISTER
MR. B.D. KALLA (RAJASTHAN)
RAJASTHAN RADIANCE
AWARD 2024
BUSINESS TITANS
Abu Dhabi
2024
BIG IMPACT AWARDS
2024
UDAIPUR
ICON AWARDS
2023-24

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

दीपावली

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

SELECTED Superbrand INDIA 2009-10 CONSUMER VALIDATED

श्री डूंगरगढ एवं श्री नाथद्वारा में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किए गए। दोनों ही में देश-प्रदेश के ख्यात हिन्दी सेवियों को सम्मानित किया गया। देश की एकता व अखंडता से जुड़ी हिन्दी भाषा को अधिक सुदृढ़ और प्रसारित करने का संकल्प लिया गया। प्रस्तुत है- श्री डूंगरगढ से *सत्यदीप* व श्रीनाथद्वारा से *श्याम प्रकाश देवपुरा* की रिपोर्ट।

हिन्दी समृद्ध और जीवंत भाषा

हिन्दी समूचे विश्व में पांच हजार भाषाओं में तीसरे स्थान पर है और देश विदेश में वह अपनी जड़ों को जमा रही है। अगर देश में कोई भाषा अपना सामर्थ्य, कोशिश, व्यवहार व व्यापार की इच्छा रखती है तो वो भाषा हिन्दी है। ये उद्गार डूंगरढ़ के संस्कृति भवन में राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति व जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्व विद्यालय उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात साहित्यकार सूरज सिंह नेगी ने व्यक्त किए। मुख्य अतिथि विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि हिन्दी का सम्मान करना इस देश के हर नागरिक का कर्तव्य है। हिंदी और अधिक सुदृढ़ बने, इसमें अध्यापकों की बड़ी भूमिका हो सकती है। विशिष्ट अतिथि संस्कृतिकर्मी व समाजसेवी रतननगर के बसन्त हीरावत ने कहा कि हिन्दी देश की एकता व अखंडता के साथ जुड़ी है और इसके माध्यम से ही भारत विश्व गुरु के रूप में पुन: उदयमान होगा। 'वैश्विक भाषायी परिदृश्य और हिन्दी' विषय पर बीज भाषण करते हुए युवा आलोचक बृजरतन जोशी ने कहा कि हिन्दी हमें सनातन चेतना से जोड़ती है। भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य को वह अपने भीतर समाये हुए है। वैश्विक उन्नति के मूल में भाषा की पूरी-पूरी उपस्थिति रहती है। प्रफुल्ल प्रभाकर व रिंकल शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। संस्था अध्यक्ष श्याम महर्षि ने कहा कि यह संस्था साहित्यिक क्षेत्र में एक स्कूल की तरह कार्य कर रही है। भाषा और साहित्य के प्रतिबद्ध इस संस्था ने विगत 62 वर्षों में अनेक मानक स्थापित किए हैं। संस्था मंत्री रवि पुरोहित ने संस्था की गतिविधियों से अवगत करवाया और पुरस्कृत रचनाकारों का परिचय साझा किया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए साहित्यकार सत्यदीप ने हिंदी के बढ़ते आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश को रेखांकित किया।

इनका हुआ सम्मान

राष्ट्रीय राज मार्ग पर स्थित संस्कृति भवन में संस्था के वार्षिक उत्सव पर संस्था की सर्वोच्च मानद उपाधि मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री अजमेर के प्रफुल्ल प्रभाकर को दी गई। इसी तरह डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी साहित्य सृजन पुरस्कार जयपुर के प्रबोध कुमार गोविल, शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार दिल्ली की रिंकल शर्मा, सामाजिक सरोकारों को समर्पित रामकिशन उपाध्याय स्मृति समाज सेवा सम्मान बीकानेर के डॉ. नरेश गोयल को प्रदान किया गया। दिल्ली की सुमन वाजपेयी को श्यामसुंदर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार तथा लखनऊ के प्रभु झिंगरन को सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

साहित्य मंडल में हिन्दी सेवियों का सम्मान

नाथद्वारा में 14-15 सितम्बर को हिन्दी दिवस पर 'हिन्दी लाओ-देश बचाओ' समारोह साहित्य मंडल ने आयोजित किया कार्यक्रम में पहले दिन नगर में रैली निकालकर दैनन्दिन जीवन में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का आव्हान किया गया। मंडल के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने बताया कि अपराह्न 1 बजे उद्घाटन सत्र की शुरूआत कत्थक नृत्य व हिन्दी उपनिषद् से हुई। समारोह में प्रमुख हिन्दी सेवियों, साहित्यकारों व पत्रकारों को सम्मानित किया गया। जिनमें डॉ. महेश दिवाकर मुरादाबाद, प्रो. अनिता कपूर केलिफोर्निया, डॉ. के. आनंदी चैन्नई, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा रूड़की, प्रो. सूरज पालीवाल जयपुर, डॉ. नवीन नन्दवाना उदयपुर, डॉ. गोपीराम शर्मा श्री गंगानगर, डॉ. बृजलता शर्मा नोएडा, डॉ. कुलविन्दर कौर जलंधर, श्रीमती माधुरी यादव इन्दौर, संत कुमार वाजपेयी लखीमपुर खीरी, डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री गोलागोकर्ण नाथ, डॉ. हिरालाल साहनी दरभंगा, डॉ. बाबूलाल शर्मा कोलकाता, डॉ लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा रायपुर, डॉ. गिरजाशंकर गौतम रायपुर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव लखनऊ, प्रो. उषा मिश्र मुम्बई, मनोज मोदी, तिनसुकिया, डॉ. प्रिया सूफी, होशियारपुर, डॉ. सत्येन्द्र सिंह पुणे, श्री सिद्धेश्वर पटना, हुकमचंद तिवारी मथुरा, डॉ. विभा कुमारी मधुबनी, डॉ. अरूणा पाठक पुणे, डॉ. शशिकला पाण्डे वाराणसी, डॉ. मालती गोस्वामी वाराणसी, श्री सम्पूर्णानंद द्विवेदी मुम्बई, घनश्याम आचार्य झालरापाटन, रमेश यादव इन्दौर, डॉ. हरीश गहलोत नाथद्वारा, डॉ. राजेन्द्र जांगिड़ नाथद्वारा, डॉ. दिव्यप्रकाश स्वर्णकार नाथद्वारा, पं. बाबूराम शर्मा कानपुर, प्रभुदत्त उपाध्याय आगरा, रविन्द्र वर्मा, आगरा, डॉ. तारामणि पांडे रांची, डॉ. विनय कुमार पांडे रांची, डॉ. संतोष पांडे फर्रूखाबाद, डॉ. धीरज वणकर अहमदाबाद, डॉ. धनंजय चौहान बड़ौदा, डॉ. रामसिंहासन सिंह गया, पुरषोत्तम पल्लव उदयपुर, डॉ. मनोहर अभय मुम्बई, डॉ. प्रशांत गौरव रांची, पीरदान चारण कांकरोली, बालकृष्ण जोशी शाहपुरा, प्रमोद सनाढ्य नाथद्वारा, डॉ. सरोजिनी मेरठ, विद्युतप्रभात चतुर्वेदी देहरादून, राज गुप्ता अलवर, मनमोहन अभिलाषी भरतपुर, डॉ. उमाशंकर शुक्ल लखनऊ, जगदीश मोहन रावत जयपुर, शीतलाप्रसाद दुबे जमशेदपुर, शोभारानी इन्दौर, रमेश अधीर आगरा, अवधिहरी, लखनऊ, डॉ. ब्रिजेन्द्रनाथ मिश्र जमशेदपुर, डॉ. मंजूगुप्ता बेगलुरू, माधवी उपाध्याय जमशेदपुर, डॉ. वीणा पांडे, जमशेदपुर, हरिनाथ शुक्ल सुल्तानपुर, उर्मिला उर्मी बैंगलुरू, डॉ. हरिप्रसाद दुबे अयोध्या, माणक तुलसीराम गौड़ बैंगलुरू शामिल हैं।

कत्थक की अन्तराष्ट्रीय नृत्यागना डॉ. प्रभा दुबे दिल्ली को विशेषरूप से मोतीलाल राठी स्मृति सम्मान, विदुर भारद्वाज, बिजनौर को सीमारक्षक सेवा रत्न, नाथद्वारा के इन्द्रवदन गिरनारा व रजनीकांत सांचीहर को प्रभुसेवा रत्न, प्रो. राजेश मेहरा, इन्दौर व डॉ. सुनील शर्मा कोलकाता को साहित्य वाग्विभूति सम्मान प्रदान किया गया। अतिथियों का स्वागत सम्मान साहित्य मंडल के अध्यक्ष मदनमोहन शर्मा, प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने किया। इस भव्य साहित्य कुंभ के संचालन में प्रद्युम्न प्रकाश देवपुरा व अनिरूद्ध देवपुरा का विशेष सहयोग रहा। नगर वासियों, श्रीनाथ मंदिर मंडल व प्रशासन का भी इसकी सफलता में योगदान रहा।

2422758 (S)
2410683 (R)

T-JEWELLERS

Gold and Silver
Ornaments & Silver utensil

233 A, Bapu Bazar, Udaipur-313001

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

तारा संस्थान के नि:शुल्क आँखों के अस्पताल

उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, लोनी (गाजियाबाद)

नि:शुल्क नेत्र जाँच व नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा

तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. (आउटडोर पेशेंट युनिट) का दृश्य

अन्तर्गत : तारा संस्थान, उदयपुर

236, हिरण मगरी, सेक्टर 6 (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली), उदयपुर 313002 (राज.)
मो. +91 9549399993, 9649399993, Website : www.tarasansthan.org

पौराणिक-आध्यात्मिक प्रसंग और काशी का देव-दीपावली उत्सव

पूनम नेगी

सौं धर्मशास्त्रों में कार्तिक मास का खूब महिमागान मिलता है। तमाम पौराणिक और आध्यात्मिक प्रसंग इसकी महत्ता को उजागर करते हैं। इस पवित्र महीने की सर्वाधिक फलदायी तिथि है कार्तिक पूर्णिमा। कार्तिक कृष्ण अमावस्या को जब हम धरती वासी दीपोत्सव मनाते हैं तो पर्व पूजन में विष्णु व लक्ष्मी के स्थान पर गणेश व लक्ष्मी का पूजन किया जाता है क्योंकि उस समय सृष्टि के संचालक भगवान विष्णु अपनी चातुर्मासीय योगनिद्रा में लीन होते हैं। इसलिए देवोत्थानी एकादशी को श्रीहरि जब अपनी योगनिद्रा त्याग कर जागृत होते हैं तो उनके स्वागत में कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा की पावन तिथि को महादेव की नगरी काशी के पावन घाटों पर दीपोत्सव मनाकर श्री हरि और मां लक्ष्मी का साथ में अर्चन-वंदन किया जाता है।

पौराणिक मान्यता के मुताबिक देवगण स्वर्ग से उतर कर इस प्रकाश पर्व के साक्षी बनते हैं। इसी कारण यह उत्सव देव दीपावली के नाम से जाना जाता है। कार्तिक पूर्णिमा की संध्या बेला में कल-कल बहती सदानीरा गंगा के तट पर बसी शिव नगरी के घाटों पर जब वैदिक मंत्रों के बीच शास्त्रोक्स विधि से प्रज्जवलित लाखों दीप की साक्षी में महाआरती का अनुष्ठान किया जाता है, तो चहुंओर दिव्य आभामंडल की सृष्टि हो जाती है। इस अवसर पर महारानी अहिल्याबाई द्वारा बनवाए गए पंचगंगा घाट का भव्य दीप स्तंभ 1001 दीपों की लौ से जगमगा कर प्रत्येक भावनाशील श्रद्धालु को तमसो मा ज्योर्तिमय का पावन संदेश देता प्रतीत होता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा ठीक 180 डिग्री के अंश पर होता है तथा इस दिन चंद्रमा से निकलने वाली किरणों का दिव्य विकिरण मन-मस्तिष्क में सकारात्मक भावों का संचार करता है। एक अन्य पौराणिक प्रसंग जो कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित किए जाने वाले काशी के देव दीपावली उत्सव को आधार देता है, वह है महादेव द्वारा महासुर ताड़कासुर के तीन महाबलशाली पुत्रों का अंत कर देवशक्तियों को भयमुक्त करना। स्कंद पुराण के अनुसार शिवपुत्र कार्तिकेय द्वारा तारकासुर के वध से क्रोधित उसके तीनों पुत्रों (तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली) ने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए घोर तपस्या से ब्रह्माजी को प्रसन्न कर ऐसा विलक्षण वरदान प्राप्त कर लिया कि उन्हें जीतना असंभव हो गया। वरदान के क्रम में उन तीनों महाअसुरों ने असुर शिल्पी मयदानव से अंतरिक्ष में तैरने वाली तीन जादुई नगरियों स्वर्णपुरी, रजतपुरी और लौहपुरी का निर्माण कराया। इन असुरों को ब्रह्माजी से यह वर मिला था कि जब ये तीनों जादुई नगरियां अभिजित नक्षत्र में एक सीधी रेखा में आएं और उस वक्त यदि कोई क्रोधजित महायोगी असंभव रथ पर सवार होकर उन पर असंभव बाण का संधान करे तो ही उनकी मृत्यु हो सकेगी। इस अनूठे इस वरदान के कारण जब उन दानवों के आतंक से देवलोक में चहुंओर त्राहि-त्राहि मच गई तब देवशक्तियों की प्रार्थना पर भगवान शिव ने उन असुरों के अंत के लिए एक माया रची। असंभव रथ को आकार देते हुए उन्होंने पृथ्वी को अपना रथ बनाया, जिसमें सूर्य व चंद्रमा उस रथ के पहिये बने, ब्रह्माजी सारथी और विष्णु जी बाण बने, मेरूपर्वत उनका धनुष बना और नागराज वासुकि उस धनुष की प्रत्यंचा। इस तैयारी के साथ काम दहन करने वाले महायोगी शिव ने अभिजित नक्षत्र में उन तीनों पुरियों को एक सीध में आते ही अपने विलक्षण बाण का संधान कर उन तीनों पुरियों

का उनमें मौजूद तीनों महादैत्यों के साथ अंत कर दिया। वह पावन तिथि थी, कार्तिक पूर्णिमा। तब उन तीनों महाअसुरों के आतंक से मुक्त होने की खुशी में सभी देवताओं ने काशी के घाटों पर दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया। वह शिवनगरी की प्रथम देव दीपावली थी।

इस पौराणिक कथानक के पीछे निहित तत्वदर्शन को आधुनिक संदर्भ में समझने की जरूरत है। अध्यात्मवेत्ताओं ने मानव शरीर के तीन स्तर बताए हैं-स्थूल, सूक्ष्म और कारण। व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास और मानव जीवन के चरम लक्ष्य की सिद्धि के लिए इन तीनों शरीरों का पूर्ण जागरण अनिवार्य है। शिव आदियोगी हैं। उनकी कृपा के बिना यह जागरण संभव नहीं। दैहिक, दैविक और भौतिक, तीनों स्वरूपों के अज्ञान जनित दुर्गुणों का नाश करने में सिर्फ महायोगी शिव ही सक्षम हैं। इसलिए वे त्रिपुरांतक कहलाते हैं। त्रिपुरारी पूर्णिमा इन्हीं महायोगी को नमन का पर्व है। कुछ अन्य रोचक पौराणिक प्रसंग भी इस पर्व की महत्ता बताते हैं। एक बार काशी के राजा दिवोदास ने देवताओं की किसी बात पर नाराज होकर उनका अपने राज्य में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया तब भगवान शंकर

ने दिवोदास व देवों में सुलह करवाई जिस पर देवताओं ने काशी में प्रवेश कर कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीपावली मनाई

एक अन्य मान्यता है कि इसी दिन प्रलयकाल में वेदों की रक्षा के लिए तथा सृष्टि को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने अपना प्रथम मत्स्य अवतार धारण किया था। महाभारत के विनाशकारी युद्ध में योद्धाओं ने अपने भाइयों के साथ गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान व यज्ञ किया था। तभी से कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान की परम्परा शुरु हो गई। इस दिन गंगास्नान सर्वाधिक फलदायी माना जाता है। यही नहीं कार्तिक पूर्णिमा के दिन तमिलनाडु मे अरुणाचल पर्वत की 13 किमी की परिक्रमा होती है, जिसमें भाग लेकर लाखों लोग पुण्य कमाते हैं।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

PRINCE ENTERPRISES

Anoop Srivastava
Director, 94141 68643

Ajay Srivastava
Director, 98290 42643

COPIER, DESKTOP, LAPTOP, PRINTER, LCD PROJECTOR

Authorised Channel Partner (Sales &Service)

Canon DELL hp acer BenQ

Ph.: 0294-2415643, 2425898
Gmail: princeudr1@gmail.com/info@prinenterprisesudaipur.com
Red Tower, 32- Gurudwara Road, DelhiGate, Udaipur 313 001 (Raj.)

प्रत्यूष

सर्दी की कुदरती सौगात आंवला

शीत ऋतु आरंभ हो चुकी है। इस मौसम की कुदरती सौगातों में आंवले का विशेष महत्व है। मुंह में पानी ला देने वाला यह छोटा सा फल स्वाद और सेहत की दृष्टि से बेहद लाभकारी है। विटामिन-सी से भरपूर गुणकारी आंवला को आप विविध व्यंजनों के लिए आप अपनी रसोई में अवश्य शामिल करें। अनेक रोगों की रामबाण दवा भी है- आंवला।

शैलजा त्रिवेदी

आंवला अचार

क्या चाहिए: 400 ग्राम आंवले, 1/4 कप लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच हल्दी पाउउर, 1/2कप सेंधा नमक, 1/2 कप तिल का तेल (तेल का चुनाव इच्छानुसार भी कर सकते हैं), 1 चम्मच राई, 1 चम्मच मेथी दाना, 1 चम्मच हींग।

ऐसे बनाएं : आंवले धोकर अच्छी तरह पोंछ लें, ताकि पानी न रहे। आंवले छोटे हों, तो साबुत ही बनाएं अथवा चार टुकड़ों में काट लें। एक बड़े बोल में आंवले डालें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और सेंधा नमक डालकर एकसार करें। कड़ाही में तेल गर्म करें और राई तड़काएं। अब मेथी दाना डालें। इसके बाद हींग डालकर मिलाएं। आंच से उतारकर इस मिश्रण को ठंडा होने दें। पूरी तरह ठंडा होने पर इस तड़के को मसाले लगे आंवलों पर डालें और एकसार कर कांच की बोतल में भर दें और अच्छी तरह ढक्कन लगाकर 7 दिनों के लिए रख दें। जब अचार बन जाए, तो इसे फ्रिज में रखें। मौसम अच्छा हो, तो बाहर भी रखा जा सकता है।

आंवला कैंडी

क्या चाहिए: 250 ग्राम आंवला, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच अदरक का पाउडर (सौंठ), 150 ग्राम शक्कर, 2 चम्मच बूरा शक्कर।

ऐसे बनाएं : आंवले धोकर साफ़ पोंछ लें। बर्तन में पानी गर्म करें और आंवलों को 2 मिनट तक उबलने दें। ठंडा होने पर पानी निथार लें। आंवले लम्बाई में काट लें। ऊपर से जीरा पाउडर और सौंठ छिड़के। अब शक्कर बुरकें और ढक कर 1 दिन के लिए रखें। अगले दिन आंवले के टुकड़े शक्कर में पूरी तरह घुल-मिल जाएंगे और तीसरे दिन वे टुकड़े तली में बैठ जाएंगे। अब इन टुकड़ों को शक्कर से अलग कर लें, शेष शक्कर के सिरप को फ्रिज में रखें (इसे आंवले के शरबत की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है)। आंवले के टुकड़ों को 2 दिनों के लिए धूप में रखें। दो दिन बाद ऊपर से बूरा शक्कर छिड़कें और डिब्बे में भर लें।

आंवला लौंजी

क्या चाहिए: 250 ग्राम आंवला, 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच शक्कर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 2 चम्मच धनिया पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच राई, 1 चम्मच सौंफ, चुटकीभर हींग, 1 चम्मच कश्मीरी मिर्च पाउडर।

ऐसे बनाएं : आंवलों को प्रेशर कुकर में उबाल लें। केवल एक ही सीटी लें, ताकि ये बहुत नर्म न हों। ठंडे होने पर आंवलों से बीज हटा लें और हाथ से टुकड़े कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और राई तड़काएं। अब सौंफ, हींग और कश्मीरी मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं और एक मिनट तक पकने दें। इस मिश्रण में आंवले डालें और मिलाएं। अब लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, नमक डालकर मिलाएं। दो मिनट तक पकने दें। ऊपर से शक्कर और थोड़ा पानी छिड़कें (यदि आपको पानी वाली लौंजी पसंद हो, तो यहां पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं) 1 से 2 मिनट तक पकाएं और गर्मा-गर्म परोसें।

आंवला चावल

क्या चाहिए : 1 कप चावल, 15 आंवले, 10–12 हरी मिर्च, 8–10 काजू (टुकड़े कर लें), 1 चम्मच चना दाल, 1 चम्मच उड़द दाल, 1 चम्मच मूंगफली, 1/2 चम्मच राई, 10–12 कढ़ी पत्ते, 2 चम्मच तेल, थोड़ा बारीक कटा हरा धनिया और स्वादानुसार नमक।

ऐसे बनाएं : चावल धोकर 2 कप पानी में 10–15 मिनट भीगने को रख दें। अब कुकर में चावल पका लें। इन्हें ठंडा होने दें। बीज अलग कर आंवलों को बारीक काट लें। हरी मिर्चों में भी चीरा लगाएं। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें राई तड़काएं। एक–एककर चना दाल, उड़द दाल और काजू डालकर सुनहरा होने तक भूनें। हरी मिर्च व कढ़ी पत्ते डालें और भूनें। इसमें बारीक कटा आंवला मिलाएं और 2 से 3 मिनट तक भूनें। चाहें तो हल्दी पाउडर डालें और ढक कर 6–8 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। मिश्रण अच्छी तरह से ठंडा होने दें। अब इस मिश्रण को हाथों से एकसार करें, ताकि यह गूदे की तरह बन जाए। जरूरत पड़े तो थोड़ा पानी मिला लें और ढककर गैस पर रख दें, ताकि यह भाप में पक सके। मिश्रण में तैयार चावल और नमक मिलाकर एकसार करें। ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालकर सजाएं।

आंवला ठेचा

क्या चाहिए : 4 आंवले, 2 हरी मिर्च, 1 चम्मच बारीक कटा हरा धनिया, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच तेल, 1/4 चम्मच राई और चुटकीभर हींग।

ऐसे बनाएं : मिक्सर के बर्तन में आंवले, हरी मिर्च, धनिया व नमक डालकर पानी की मदद से पीस लें। इसे थोड़ा दरदरा ही छोड़ें, क्योंकि ठेचा दरदरा होता है। कड़ाही में तेल गर्म करें और राई तड़काएं। राई के तड़कते ही हींग डालें और भूनें। इस तड़के को पिसे हुए मिश्रण पर डालें। तैयार तीखा ठेचा चावल, पराठे और रोटी के साथ अच्छा लगता है।

A.L. Menaria

MENARIA

Happy Diwali

GUEST HOUSE

Home Away From Home

Well equipped Conference & Party venue available

ACCOMMODATION :

Well Appointed AC/Non AC Guest Rooms.
All rooms in suite with hot & cold water,
Elevator (Lift), telephone, satellite TV etc.

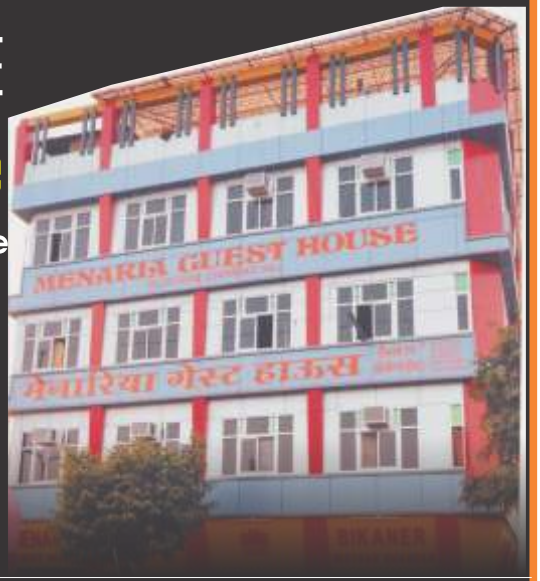

A.L. Menaria Mob. : 8003763838
P.S. Menaria Mob. : 9414233164
J.P. Menaria Mob. :9414263411

Off. : Opp. Akashwani Colony, Hiran Magri, Sec.5,
UDAIPUR 313002 (Raj.) Ph. : 2461976, 2467411 (O)

Happy Diwali

Prateek Khicha, Director

KHICHA PHOSCHEM LTD.

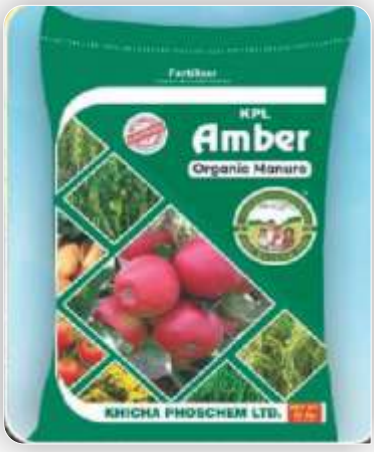

Manufactures & Suppliers of

Rock Phosphate, Gypsum, All other Minerals & Fertilizers
(Mining, Crushing, Grinding & Transport contractors)
Organic Fertilizer, Prom, Soil Conditioner,
Natural Organic Potash

Kisan Hoga Khushaal, Jab Karega Amber Khad Ka Istemal

204, Vinayak Business Centre, 2nd Floor, Fatehpura-Pura Road, Udaipur - 303001 (Raj.)
M.: 9829062804, 7737572626 E-mail: khichaphoschem@rediffmail.com
Works: Village Umra, Jhamar Kotra Road, Dist. Udaipur (Raj.)

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी

व पूर्व प्रधानमंत्री

लाल बहादुर शास्त्री जी

की जयंती पर शत्-शत् नमन

2 अक्टूबर 2024

राजस्थान संवाद

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

"महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी का सम्पूर्ण जीवन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का एक अनंत स्रोत है। उनकी सादगी, समर्पण और सेवा की भावना ने हमें नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा की सच्ची परिभाषा दी है। गांधीजी का मानना था कि स्वछता ही सेवा है। यह विचार हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान का आधार है। दोनों महापुरुषों को उनकी जयंती पर प्रदेश की ओर से भावपूर्ण नमन।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

बुजुर्गों के सम्मान और उनकी तिमारदारी को लेकर प्रकाशित राजेन्द्र कुमार शर्मा का आलेख अक्टूबर अंक की एक खास प्रस्तुति थी। बुढ़ापा जिन्दगी का वह पड़ाव है जब व्यक्ति शारीरिक–मानसिक और भावनात्मक रूप से कमजोर हो जाता है, ऐसे में परिवार के अन्य सदस्यों का दायित्व बनता है कि वे उनका सहारा बनें। एक दिन उन्हें भी इसी पड़ाव पर पहुंचना है। वृद्ध माता–पिता को दिया गया थोड़ा सा भी समय उन्हें खुशियों से भर देगा और उनकी आशीष से परिवार समृद्धि के सोपान तय कर सकेगा।

परमानंद पाटीदार,
डायरेक्टर, वंडर सीमेंट

'भारतीय रेलवे' विश्व का सबसे बड़ा सरकारी तंत्र है। पिछले कुछ वर्षों में इसने अभूतपूर्व प्रगति के आयाम तय किए हैं। जिससे यात्रियों को काफी सुविधा हुई है। पिछले कुछ समय से डिब्बों के ट्रेक से उतरने की घटनाएं हो रही हैं। इसके पीछे असामाजिक तत्वों की साजिश से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में अक्टूबर अंक के संपादकीय में व्यक्त चिंता स्वाभाविक है। सुरक्षा के कठोर कदम आवश्यक हैं।

जे.के. तायलिया,
सीएमडी, इकॉन

पेरिस पैरालिंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि सचमुच गर्वोन्नत करने वाली है। विकलांगता के बावजूद उन्होंने ओलम्पिक–24 में भाग लेने वालों से बेहतर परिणाम दिए। ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों पर जहां 490 करोड़ रूपए खर्च कर 6 पदक हासिल हुए, वहीं पैरा एथलीटों पर 74 करोड़ खर्च हुए और उन्होंने 7 स्वर्ण सहित 29 पदक जीतने का शानदार इतिहास बनाया। अभिजय शर्मा को इस आलेख के लिए बधाई।

गुरप्रीत सोनी,
सीएमडी, गुरप्रीत ग्रुप

'प्रत्यूष' मासिक का अक्टूबर अंक मिला। इस माह के लगभग सभी प्रमुख त्योहार / पर्व से संदर्भित पठनीय सामग्री का समावेश था। महिलाओं–बच्चों के लिए भी इसमें उपयोगी सामग्री रहती है। 'विकल्प' स्तंभ के अन्तर्गत निष्ठा शर्मा का 'धड़कने को तैयार कृत्रिम दिल' आलेख पढा। आई आई टी कानपुर की निश्चय ही यह एक बड़ी उपलब्धि है।

गिरजाशंकर जी शर्मा,
अध्यक्ष, राज. बाल कल्याण समिति

आजादी एक ऐसी चीज है कि जिस समय आप गफलत में पड़ेंगे, वह फिसल जाएगी। वह जा सकती है, वह खतरे में पड़ सकती है। -जवाहरलाल नेहरू

इन्फ्रा मेडि एक्सपो

कृषि और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का प्रदर्शन

उदयपुर। विजुअल मेथ्स संस्था की ओर से बी.एन.कॉलेज मैदान एवं फर्न रेजीडेन्सी में गतदिनों तीन दिवसीय इन्फ्रा एक्सपो एवं संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के छात्रों सहित किसानों एवं आम जन ने बड़ी संख्या में शिरकत कर उपयोगी जानकारियां हासिल की।

संस्था की निदेशक मीतू पाल गुप्ता के अनुसार शहर में एक ही छत के नीचे विषय विशेषज्ञों से जानकारियां इतनी आसानी से मिलना बहुत मुश्किल होता है। छात्रों ने जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, इंडिया कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, मिनिस्ट्री ऑफ साइंस के बारे में बड़ी ही उत्सुकता से जानकारी प्राप्त की।

किसानों ने कृषि के क्षेत्र में हुए विभिन्न नवाचारों के बारे में जाना। फसलों की सुरक्षा व संरक्षण के साथ ही पैदावार में वृद्धि की जानकारी ली।

प्रदर्शनी में बंबू डेवलपमेंट बोर्ड केंद्र नागपुर द्वारा बंबू से बने प्रोडक्ट आकर्षण का केन्द्र रहे। बंबू के प्रोडक्ट में हैंडीक्राफ्ट, फर्नीचर और बंबू टिश्यू कल्चर सीडलिंग काफी लोकप्रिय रहे। हाथ से बने ये प्रोडक्ट लकड़ी से बने प्रोडक्ट से बिल्कुल ही अलग और हटकर थे।

इवेंट कार्डिनेटर पूनम नागदा ने बताया कि इस एक्सपो में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो, उन्नत कम्प्यूटिंग विकास केंद्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय रिजर्व बैंक, महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना, उर्दू भाषा को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय परिषद, और केंद्रीय पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त निजी कंपनियों जैसे रनर कास्टर व्हील्स, मंगलम मेडि किट्स प्राइवेट लिमिटेड, एपी एंटरप्राइजेज, आकाश मेडिकल इक्विपमेंट, अनंत श्री, सर्जिकल प्लस, और मॉडर्न मेडी ने भी अपने अत्याधुनिक उत्पादों का प्रदर्शन किया।

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

सही निर्णय और सही क्रियान्वयन के मेल से काम सफल होगा। आपकी इच्छा के विपरीत कार्य होंगे फिर भी शांत रहें, यह समय आश्वासनों पर भरोसा करने का नहीं है, कार्य क्षेत्र में प्रभाव रहेगा, किसी उच्च पदस्थ से भेंट संभव, अटके कार्यों को गति मिलेगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ

कार्यों में सफलता के कारण अति उत्साहित न हों, नौकरी एवं व्यापार में विरोध बढ़ सकता है इसे लेकर सतर्क रहें, बच्चों पर विशेष ध्यान देंवे, क्रोध पर नियंत्रण रखें, भाई–बहिनों से मतभेद संभव, साझेदारी एवं दाम्पत्य जीवन में भी टकराव संभव है, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, शत्रु पक्ष हानि कर सकता है।

मिथुन

कोई भी साहसिक निर्णय लेने से पहले शान्ति से सोचें। कोई आपसे कुछ भी करने को कहे तो पहले उसकी मंशा जानने की कोशिश करें, नई तकनीकी का सहारा लें तो अधिक आर्थिक लाभ संभव। स्वास्थ्य सामान्य, संतान पक्ष से चिंता, आय पक्ष में कमी रहेगी।

कर्क

दृढ़ता और एकाग्रता को बढ़ाना आवश्यक है, जीवन में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं, खुद को देखने और दूसरो को सुनने के बीच अंतर को समझने की कोशिश करें। बाद में निर्णय लेवें, भाग्य प्रभावित रहेगा, आय के नये स्त्रोत से लाभ होगा, संतान पक्ष से वैचारिक समन्वय कठिन होगा।

सिंह

लोग आपके नरम स्वभाव का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे, इसलिए सर्तक रहें, अपनी निजी एवं गोपनीय बातें दूसरों से साझा ना करें, महत्वपूर्ण प्रश्नों को हल करने में आप सफल होंगे। कोई शारीरिक गुप्त विकार प्रकट हो सकते हैं, कार्य क्षेत्र में प्रतिष्ठा बनेगी।

कन्या

इस महिने लोभ–लालच से दूर रहना होगा। अपने प्रिय व्यक्तियों की राय का सम्मान करें, आपकी मौजूदा स्थिति के अनुसार आर्थिक योजना में बदलाव करना होगा। भाग्य का साथ रहेगा, लम्बित पैतृक विवाद में चुप्पी साधना ही एक मात्र विकल्प है।

तुला

यह माह आपकी कठिन परीक्षा लेगा, सम्बंधों में संतुलन कायम रखना होगा, नौकरी और कारोबार में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, आकस्मिक धन लाभ के योग बन सकते हैं। कर्ज भार में भी कमी आयेगी, निकट वर्ती से धोखा भी मिल सकता है।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 नवम्बर	कार्तिक कृष्णा अमावस्या	दीपावली / भगवान महावीर निर्वाण दिवस
2 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल प्रथमा	अन्नकूटोत्सव
3 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल द्वितीया	भाई-दूज
10 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल नवमी	आंवला नवमी
12 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल एकादशी	देव प्रबोधिनी एकादशी / तुलसी विवाह
13 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल द्वादशी	महाकवि कालिदास जयंती
14 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी	बाल दिवस / पं. चतुर्दशी जवाहर लाल नेहरू जयंती
15 नवम्बर	कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा	गुरू नानक जयंती / देव दीपावली
19 नवम्बर	मार्गशीर्ष कृष्णा चतुर्थी	इंदिरा गांधी जयंती
23 नवम्बर	मार्गशीर्ष कृष्णा अष्टमी	सांई बाबा जयंती

वृश्चिक

नौकरी एवं कारोबार में समय प्रबंधन का सख्ती से पालन करें, व्यवसाय से संबंधित यात्राएं संभव, कुछ जातकों को पेट से सम्बन्धित बीमारियां कष्ट दे सकती हैं, स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि के संकेत हैं, पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, शासकीय बाधाएं आ सकती हैं।

धनु

इस माह सम्पत्ति सम्बंधी समस्याए होगी, अति महत्वाकांक्षा आपको अधिक दौड़ायेगी खरीदारी के समय प्राथमिकता पर विशेष ध्यान देंवे। अपने वरिष्ठ जनों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करें, स्थान परिवर्तन भी संभव है, खुद के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

मकर

सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए सम्मान होगा, तथा श्रेष्ठ एवं वरिष्ठ जन आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे, महिने के अन्त में सुखद घटना आपके उत्साह को बढ़ायेगी। धनलाभ के नए स्त्रोत बनेंगे, गुप्तविकार या रक्त सम्बंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, पैतृक मामले सुलझेंगे।

कुम्भ

आपको अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा, आपको मानसिक रूप से मजबूत बनना होगा, अपने सहयोगियों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, आध्यात्मिक उन्नती होगी, धर्म कर्म में व्यस्त रहेंगे, धन अवरोध एवं विवाद का योग बनेगा, धोखा झांसा से सावधान रहें।

मीन

बिना संघर्ष के कुछ भी संभव नहीं है। रिश्तेदारों से अप्रत्याशित परेशानी संभव है, नये परिचित लोगों के साथ किसी भी प्रकार के वित्तीय लेन–देन से बचें, घरेलु मामले में अति न करे। स्वास्थ्य भी कमजोर रहेगा, कार्य क्षेत्र में कुछ नया कर पायेंगे, विचारों को संयत रखें।

प्रत्यूष समाचार

वंडर सीमेंट नर्सरी का शुभारंभ

उदयपुर। वंडर सीमेंट लिमिटेड में नर्सरी के नवनिर्मित भवन का कंपनी के निदेशक परमानंद पाटीदार, यूनिट हैड नितिन जैन ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर पाटीदार ने बताया कि वंडर सीमेंट की इस नई पौधशाला में ट्री बैंक की स्थापना भी की गई है, जिसमें नवाचारों के साथ वर्तमान तकनीक से उन्नत किस्म के नए पौधे तैयार किए जाएंगे। जो मानसून के दौरान प्लांट, आसपास के परियोजना क्षेत्र में पौधरोपण, वितरित में उपयोगी साबित होंगे। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष प्लांट और आसपास के गांवों में पौधरोपण निरंतर किया जा रहा है। उद्यान विभाग प्रमुख मोतीलाल पालीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित कर बताया कि वंडर सीमेंट ने वर्ष 2024 में अब तक 32 हजार से अधिक पौधे रोपे और 10 हजार पौधों का वितरण किया।

वंडर नर्सरी के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ करते निदेशक परमानंद पाटीदार।

यह क्रम निरंतर है। इस दौरान रोहित धवन (परियोजना प्रमुख), अमित मेहता उपाध्यक्ष (ऑपरेशन), राजेन्द्र शर्मा उपाध्यक्ष (प्रोसेस) सहित सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईजी मीणा ने कार्यभार संभाला

उदयपुर। उदयपुर रेंज के नए आईजी राजेश मीणा ने 3 अक्टूबर को पदभार संभाला। पुलिस टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर से उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पुलिस का ध्येय आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना है, इसके लिए शांति-सौहार्द का वातावरण बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इससे पूर्व अजयपाल लाम्बा के जयपुर स्थानांतरण पर उन्हें पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। उन्होंने कहा कि उदयपुर की जनता व साथी पुलिसकर्मियों से जो स्नेह मिला, उसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

प्रवीण अध्यक्ष, अंसारी सचिव

उदयपुर। माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उदयपुर चैप्टर की नई कार्यकारिणी के गठन में प्रवीण शर्मा अध्यक्ष व आसिफ अंसारी सचिव बने। इस दौरान वर्ष 2023-24 की वार्षिक आम बैठक एवं सदस्यों के पारिवारिक स्नेह मिलन का आयोजन यूसीसीआई के प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मधुसूदन पालीवाल ने की। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपी गुप्ता एवं अरुणकुमार कोठारी थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पारितोषिक प्राप्त करने वाले सदस्यों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों अरुण कोठारी, इंद्रसिंह सुराणा, डॉ. एस.एस. राठौड़, मधुसूदन पालीवाल आदि का सम्मान किया गया।

'अपना घर' को मिला नया आश्रय

उदयपुर। असहाय, विमंदित व मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए सेवारत 'अपना घर' आश्रम भरतपुर के अंतर्गत उदयपुर में संचालित आश्रम को नया आश्रय मिल गया है। लायंस क्लब अरावली एवं अरावली लायंस ट्रस्ट ने बेदला में अपने परिसर को अपना घर आश्रम के लिए समर्पित किया। इस नए आश्रय का उद्घाटन जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल और पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपना घर आश्रम के संस्थापक डॉ. ब्रजमोहन भारद्वाज ने कहा कि अपना घर एक आश्रम नहीं वरन एक विचारधारा है। यह कार्य या सेवा नहीं बल्कि पूजा और आराधना है। देश-विदेश में 62 शाखाएं है। जिन पर प्रति तीन दिन में एक करोड़ रुपया खर्च होता है। शाखाओं में 14000 प्रभुजन निवास करते हैं। उद्योगपति शशिकांत खेतान ने कहा कि आश्रम में आने वाले प्रभुजन की योग्यता अनुरूप

'अपना घर' आश्रम का फीता काटकर उद्घाटन करते जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल।

उनसे कार्य करवाया जाना चाहिए ताकि उनके भीतर छिपी प्रतिभा बाहर आ सके और उनकी बुद्धि का भी उपयोग हो सके। कार्यक्रम संयोजक डॉ. किरण जैन ने वृद्धाश्रम की संकल्पना से लेकर अब तक के सफर की जानकारी दी। कार्यक्रम में अरावली लायंस ट्रस्ट के सचिव श्याम सिरोया, अरावली ट्रस्ट के चेयरमैन आर.पी. गुप्ता, क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र नागौरी, सचिव पूर्णिमा नागौरी, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष रूपलाल जैन, बेदला सरपंच निर्मला प्रजापत, मल्टीपल लायंस के पूर्व चेयरमैन अरविंद चतुर आदि मौजूद थे।

वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में शीर्ष धावक हुए शामिल

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा रन फॉर जीरो हंगर के उद्देश्य से आयोजित हिंदुस्तान जिंक की वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन गत दिनों आयोजित हुई। अल सवेरे इस मैराथन में शामिल होने वाले धावकों का जनसमूह इसके उद्गम स्थल उदयपुर में फील्ड क्लब के लिए निकला। मैराथन में विश्व के एथलीट, भारतीय शीर्ष धावकों और दौड़ के शौकीन लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मैराथन को उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा, आयुक्त नगर निगम राम प्रकाश, मुख्य

जनसम्पर्क अधिकारी उत्तर पश्चिम रेलवे शशि किरण, आयुक्त उदयपुर विकास प्राधिकरण राहुल जैन, आरटीओ उदयपुर नेमीचंद पारीख, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा, सचिव फील्ड क्लब उदयपुर उमेश मनवानी एवं संस्थापक एनीबडी कैन रन डॉ. मनोज सोनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीन श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी के साथ इस आयोजन में सभी स्तर के धावकों के लिए प्रावधान था। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण हिंदुस्तान जिंक के प्रमुख जीवन तरंग कार्यक्रम के तहत 100 से अधिक दिव्यांग लोगों द्वारा प्रतिभागी बनना था। जिनका उत्साहवर्धन वहां मौजूद हर व्यक्ति ने करतल ध्वनि के साथ किया।

कोने इंडिया का नया कार्यालय

उदयपुर। कोने एलिवेटर इंडिया एलिवेटर, एस्केलेटर और ऑटोमेशन समाधानों का एक प्रमुख प्रदाता है। कोने एलिवेटर इंडिया ने उदयपुर अपने नए कार्यालय के उद्घाटन के साथ विस्तार की घोषणा की। यह विस्तार कोने इंडिया की देशभर में अपने ग्राहकों को उच्चगुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता में एक और महत्वपूर्ण पहल है। कार्यालय के उद्घाटन पर कोने इंडिया के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक अमित गोसाई ने कहा कि कंपनी की सेवाएं उदयपुर में ओबेरॉय उदयविलास, लीला पैलेस, भारतीय प्रबंध संस्थान, सेलिब्रेशन मॉल और गीतांजलि अस्पताल जैसी संस्थाओं के साथ। अब कई मौजूदा और आगामी परियोजनाओं का प्रबंधन नए कार्यालय से किया जाएगा। उदयपुर के शोभागपुरा में स्थित यह कार्यालय राजस्थान में एलिवेटर और एस्केलेटर समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने की अपेक्षा रखाता है। यह कार्यालय एलिवेटर डिजाइन, विशेषताओं और प्रौद्योगिकी के लिए एक प्रदर्शन केन्द्र भी होगा। इससे पूर्व कोने इंडिया के उदयपुर कार्यालय का उद्घाटन लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने किया।

रॉकवुड्स स्कूल ने की राष्ट्रीय स्केटिंग की मेजबानी

उदयपुर। रॉकवुड्स अंतरराष्ट्रीय विद्यालय ने वर्ष के सबसे रोमांचक खेल आयोजनों में से एक राष्ट्रीय स्केटिंग चैंपियनशिप 2024 की मेजबानी की। रॉकवुड्स अंतरराष्ट्रीय विद्यालय और इंडियन स्कूल्स स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ थे। डॉ. मेवाड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक मजबूत समुदाय के निर्माण और युवाओं में टीम वर्क और दृढ़ता को बढ़ावा देने में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल, कोच कपिल सुराणा और गौरव दीक्षित तथा खेल अधिकारियों सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। प्रतियोगिता में भारत के अलग-अलग भागों से आए कुल 60 स्कूलों के कुल 206 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रॉकवुड्स स्कूल्स और सीपीएस संस्थान की संरक्षिका अलका शर्मा, अनिल शर्मा, निदेशक डॉ. दीपक शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

एक्ट्रेस धनश्री ने किया डायमंड्स स्टोर का उद्घाटन

उदयपुर। देश के सबसे बड़े ग्रीन डायमेंड ब्रांड लाइमलाइट डायमंड्स ने यहां अशोकनगर में एक्सक्लूसिव स्टोर की शुरुआत की। स्टोर में सॉलिटेयर नेकलेस, ब्रेसलेट, अंगूठियां और झुमके का उत्कृष्ट संग्रह उपलब्ध है। उद्घाटन में बतौर अतिथि कलक्टर अरविंद पोसवाल, अभिनेत्री धनश्री वर्मा, लक्ष्यराजसिंह मेवाड़, विधायक दिप्ती किरण माहेश्वरी, लाइमलाइट डायमंड्स की फाउंडर व एमडी पूजा शेठ, उदयपुर के रीजनल पार्टनर जतिन और लोमा सुहालका सहित कई विशिष्ट व्यक्ति मौजूद थे। अब तक मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली,

जयपुर, वाराणसी, हैदराबाद, राजकोट, बेंगलूरू, चेन्नई सहित 35 से अधिक शहरों में पहुंचे स्टोर में नए और आकर्षक डिजाइन के एलजीडी आभूषण उपलब्ध हैं।

डॉ. पंड्या को एशिया टूडे अवार्ड

उदयपुर। दुबई में प्रवासी भारतीयों, यूएई सरकार एवं एशिया टुडे द्वारा आयोजित समारोह में राजस्थान बाल आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. शैलेन्द्र पंड्या को बाल संरक्षण में उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

अग्रवाल समाज सेवा में सबसे अग्रणी

उदयपुर। जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की पहली बैठक गत दिनों हुई। पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष केके गुप्ता, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, वीणा अग्रवाल, जिला सम्मेलन संरक्षक सुरेश मित्तल थे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल ने की। प्रदेशाध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि समाजजन राजनीतिक भविष्य की दिशा में चिंतन करें, क्योंकि अग्रवाल समाज का प्रतिनिधित्व राजनीति में नगण्य प्रतीत हो रहा है।

समाज के युवाओं को भी राजनीति में आगे आना चाहिए, क्योंकि भविष्य युवाओं का है। जिलाध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल ने आगामी दो साल में समाज की एकजुटता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की बात कही। वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाशचन्द्र अग्रवाल ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों में अधिकाधिक भागीदारी होनी चाहिए। उपाध्यक्ष वीणा अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के कार्य का आंकलन किया जाए तो समाज की दशा और दिशा बदलने में सक्षम है। संचालन महामंत्री चंचल कुमार अग्रवाल ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता ने आभार जताया।

अरावली हॉस्पीटल को एनएबीएच की मान्यता

उदयपुर। अरावली हॉस्पीटल को चिकित्सा क्षेत्र में एक ओर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इस अस्पताल को नेशनल एक्क्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हास्पिटल्स एंड हेल्थ केयर प्रोवाइड (एनएबीएच) से पूर्ण मान्यता मिल गई है। हॉस्पीटल के निदेशक डॉ. आनंद गुप्ता एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि एचएबीएच की मान्यता प्राप्त करने के लिए हॉस्पीटल को कई कठिन परीक्षणों से गुजरना पड़ा। हॉस्पीटल ने चिकित्सा सेवाओं के अच्छे मानकों पर कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की।

डॉ. औदिच्य व डॉ. व्यास को आयुर्वेद रत्न अवार्ड

उदयपुर। आयुर्वेद सहयोग समिति एवं भारतीय चिकित्सा विकास परिषद की ओर से डॉ. शोभालाल औदिच्य और डॉ. जयंत कुमार व्यास को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष पद से बोलते हुए आयुर्वेद सहयोग समिति के अध्यक्ष डॉ. बाबूशंकर आमेटा ने डॉ. राजेन्द्र प्रकाश भटनागर के व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रेरणास्पद बताया। समारोह में डॉ. औदिच्य और डॉ. जयंत व्यास को डॉ. भटनागर आयुर्वेद रत्न अवार्ड दिया गया।

सिंघानिया में रिकॉर्ड एडमिशन

उदयपुर। सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय में वर्ष 2024 में रिकॉर्ड एडमिशन हुए हैं। इसमें 800 से अधिक नए नामांकन हुए हैं, जिनमें नियमित और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने भी दाखिला लिया है। कुलपति और अध्यक्ष प्रो (डॉ.) पृथ्वी यादव ने बताया कि इसके अलावा न्यू एज पाठ्यक्रमों की शुरुआत भी की गई है। इसमें फैशन डिजाइन, परफॉर्मिंग आर्ट्स और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, बीबीए इन लिबरल आर्ट्स, कला और व्यवसाय, संचार कौशल, बीबीए एलएलबी, बीबीए स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, एमबीए टेक, बीबीए एनालिटिक्स और एमबीए डेटा साइंस, बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी जैसे करियर ओरिएंटेड कोर्स छात्रों के लिए तैयार किए गए हैं।

विप्लव जैन को युवा गौरव अलंकरण

उदयपुर। बिजनेस सर्कल इंडिया के चार्टर अध्यक्ष विप्लव कुमार जैन को युवा गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया। बिजनेस सर्कल इंडिया के संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि विप्लव कुमार जैन ने कम उम्र में नित नए-नए आयामों को प्राप्त किया है। मुख्य अतिथि एकमे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन निर्मल कुमार जैन थे।

सोजतिया को आइकॉन ऑफ द ज्वेलरी इंडस्ट्री अवार्ड

उदयपुर। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल की ओर से मुंबई के जिओ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जीजेएस नाइट में उदयपुर के सोजतिया ज्वेलर्स को आइकॉन ऑफ न ज्वेलरी इंडस्ट्री 2024 अवार्ड ने सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सोजतिया के निदेशक, डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने ग्रहण किया। इस अवसर पर जीजेएस के चेयरपर्सन संयम मेहरा ने सोजतिया की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने कहा कि ज्वेलरी उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है और इसमें कुशल कारीगरों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिला है। इससे पूर्व सोजतिया ज्वेलर्स को भारत के विश्वसनीय रिटेल ज्वेलर्स पुरस्कार और ऑथेंटिसिटी अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

जीतो उदयपुर का शपथग्रहण समारोह

उदयपुर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) उदयपुर चैप्टन की नई कार्यसमिति का शपथ ग्रहण समारोह गत दिवस हुआ। कायक्रम में अध्यक्ष यशवंत आंचलिया सहित नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने शपथ दिलाई। अध्यक्षता उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि उदयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त राहुल जैन थे। सम्मानित अतिथि के रूप में जीतो उदयपुर के मार्गदर्शक राजकुमार फत्तावत, नरेन्द्र सिंघवी थे। महिला विंग की अध्यक्षा अंजलि सुराणा एवं पदाधिकारियों को विधायक ताराचंद जैन, यूथ विंग अध्यक्ष दिव्यद दोशी एवं पदाधिकारियों को उदयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त राहुल जैन ने शपथ दिलाई।

एक्सिस बैंक की नई शाखाएं

उदयपुर। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने राजस्थान में पांच नई शाखाओं का उद्घाटन किया। यह रणनीतिक विस्तार बैंक के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है ताकि इसकी उपस्थिति का विस्तार हो सके और ग्राहकों को बैंकिंग प्रोडक्ट्स और सेवाओं की विस्तृत कड़ी तक अधिक पहुंच मिल सके। ये नई शाखाएं उदयपुर जिले के फतहपुरा और अशोकनगर, चित्तौड़गढ़ के सेंथी, कोटा के रामपुरा और अलवर के जापानी जोन, नीमराणा में स्थित है। मुख्य अतिथि कांग्रेस के जिला प्रतिनिधि लालसिंह झाला, मार्बल एसोसिएशन सुखेर के अध्यक्ष बन्नाराम चौधरी ने हरिंदरपाल सिंह कोहली, बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में फतहपुरा में शाखाओं का उद्घाटन किया। ब्रांच के उद्घाटन किया। ब्रांच के उद्घाटन समारोह के दौरान अर्निका दीक्षित प्रेसिडेंट एण्ड हैड ब्रांच बैंकिंग एक्सिस बैंक ने कहा राजस्थान में इन नई शाखाओं के उद्घाटन के साथ बैंक विविध ग्राहक वर्गों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखेगा।

रामजी हुंडई पर नई अल्कजार लॉच

उदयपुर। हुण्डई मोटर इंडिया के उदयपुर स्थित डीलर रामजी हुंडई पर नई अल्कजार की लॉचिंग तरूण गर्ग (मुख्य परिचालन अधिकारी, हुंडई मोटर,), जेटी पार्क (कार्यकारी निदेशक) एवं समस्त डीलर टीम की उपस्थिति में की गई। रामजी हुंडई के निदेशक कुलदीप पटेल और युद्धवीरसिंह शक्तावत ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। दी बोल्ड न्यू हुंडई अल्कजार की लॉचिंग के समय भूपेश पटेल ने बताया कि इसमें फीचर्स का सम्पूर्ण समावेश है। जैसे कि सैकंड रॉ कैप्टन सीट्स के साथ सीट माउण्टेड आर्मरेस्ट (केवल 6 सीटर), 8वें पावर ड्राइवर सीट, 9वें पावर पैसेजर सीटर, डिजिटल की (स्मार्टफोन द्वारा) दी गई है। इसकी शुरुआती कीमत 14.99 लाख रुपए हैं।

उदयपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के चुनाव

उदयपुर। उदयपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर दिनेश भदादा तथा उपाध्यक्ष पद पर विनोद जैन विजय हुए। सचिव पद पर रविन्द्र पारख, कोषाध्यक्ष पद पर अनिल सांखला विजय हुए। सहसचिव पद पर रितेश जैन चुने गए।

इंटरनेशनल हेयर ड्रेसर अवार्ड के लिए पुष्कर नामांकित

उदयपुर। इंटरनेशनल हेयर ड्रेसर अवार्ड संस्थान की ओर से वर्ष 2025 के इंटरनेशनल अवार्ड के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के हेयर ड्रेसर पुष्कर सेन नामांकित हुए हैं। नेशनल एसेट्स ऑफ इंडिया के संस्थापक रवि सेन ने बताया कि पुष्कर नामांकित होने वाले एकमात्र भारतीय हैं।

विश्व पर्यटन दिवस : यशवर्धन ने पुड्डुचेरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

उदयपुर। पिछले दिनों पुड्डुचेरी में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया। जिसमें उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन रंगासामी, राज्य के सार्वजनिक निर्माण मंत्री के. लक्ष्मीनारायण, सांसद वे वैथिलिंगम व एस. सेल्वगनापथी, विधायक अनिबल कैनेडी, मुख्य सचिव डॉ. शरथ चौहान, पर्यटन सचिव डॉ. जयंता कुमार रे, पर्यटन निदेशक के मुरलीधरन व उदयपुर से होटल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बीसीआई टूरिज्म चार्टर अध्यक्ष यशवर्धन राणावत ने भाग लिया। बीसीआई के संस्थापक मुकेश माधवानी व अध्यक्ष विप्लव जैन ने बताया कि यशवर्धन राणावत के इस कार्यक्रम में भाग लेने से उदयपुर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र में और अधिक उभार देने में सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि राणावत की वहां के होटल व रेस्टोरेंट अध्यक्षों से हुई बातचीत से भी उदयपुर के पर्यटन को गति मिलेगी।

बड़ाला नवरत्न समारोह में शिक्षक सम्मानित

उदयपुर। बड़ाला क्लासेज की ओर से उदयपुर स्पोर्ट्स एरिना में नवरत्न सम्मान समारोह हुआ। फाउंडर हिम्मतसिंह बड़ाला व चतरसिंह बड़ाला ने बताया कि कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षा जगत के नौ विख्यात शिक्षकों में एसके जैन, सीए सुमित पाल, रजनीश गोस्वामी, शरद जैन, शैलेंद्र झा, अभिषेक जैन, सीए निखिल कंठालिया, सीए हर्षल गांधी और सीए सीएस सुधांशु गोयल शामिल है। यह सम्मान उनकी शिक्षण में उत्कृष्टता और समर्पण के लिए प्रदान किया गया। संस्थान निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि मुख्य अतिथि उपमहापौर पारस सिंघवी, भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली और गुरुद्वारा सचखंड दरबार समिति के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह सलूजा थे।

चुघ अध्यक्ष, कटारिया महामंत्री

उदयपुर। श्री झूलेलाल सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अध्यक्षता डॉ. इन्द्र छांदवानी ने की। वरिष्ठ सदस्य भारत खत्री ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से महामंत्री के पद पर सुनील खत्री ने समिति की सेवा की है। उनकी व्यस्तता के कारण मनोज कटारिया को महामंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया। समिति के नए अध्यक्ष के रूप में प्रतापराय चुघ को चुना गया। चुघ ने सदस्यों का आभार जताया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में किशोर झम्बानी का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। इनका प्रस्ताव विजय आहुजा ने रखा।

डॉ. लुहाड़िया को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. लुहाड़िया को टीबी एंड रेस्पिरेटरी मेडिसीन क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए जोधपुर में आयोजित राज्य चेस्ट सम्मेलन में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. लुहाड़िया के इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित होने पर गीतांजलि समूह के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, गीतांजलि हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि कपूर, डीन डॉ. संगीता गुप्ता आदि ने हर्ष जताया।

चेतन संरक्षक व राहुल महामंत्री बने

उदयपुर। श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्थान मेवाड़ के युवा प्रभारी उमेश श्रीमाली एवं मेवाड़ के युवा अध्यक्ष प्रफुल्ल श्रीमाली की अनुशंसा पर चेतन श्रीमाली को मेवाड़ युवा कार्यकारिणी का संरक्षक बनाया है। युवा जिलाध्यक्ष प्रशांत श्रीमाली ने युवा कार्यकारिणी में राहुल श्रीमाली को महामंत्री बनाया है। इसी तरह अनिल श्रीमाली, देवेन्द्र श्रीमाली, मयंक श्रीमाली, विनोद श्रीमाली, मनीष श्रीमाली को उपाध्यक्ष, कैलाश श्रीमाली, यश व दर्शन श्रीमाली और दिनेश श्रीमाली को मंत्री बनाया गया।

एमजी कॉलेज में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र

उदयपुर। मीरा कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र का औपचारिक शुभारंभ हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. दीपक माहेश्वरी ने की। मुख्य वक्ता प्रो. शिप्रा लवानिया ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्मबल पर चर्चा की। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. मनीषा चौबीसा ने रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र के उद्देश्यों और प्रस्तावित गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

गायत्री परिवार साधकों का अभिनंदन

उदयपुर। गायत्री परिवार उदयपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में आदर्श गायत्री परिवार अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। गायत्री परिवार की युवा शाखा दिया द्वारा संचालित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान जोन प्रभारी शांतिकुंज हरिद्वार से गौरीशंकर सैनी थे। विशिष्ट अतिथि मुख्य आयोजना अधिकारी उदयपुर शाखा पुनीत शर्मा थे। अध्यक्षता डॉ. आलोक व्यास ने की। ललित पानेरी व अर्जुन सनाढ्य ने परिवार की दूसरी और तीसरी पीढ़ी को समय निर्माण के कार्यों में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। फतह कुंवर सनाढ्य ने घर-घर यज्ञ करने की प्रेरणा दी। संचालन डॉ. आरूषि श्रीमाली और नेहल जोशी ने किया। मुख्य सहयोग डॉ. अंजू श्रीमाली, रेखा असावा के अलावा दुर्गा जोशी, डॉ. मेघा उपाध्याय, रागिनी दवे, मंजू वैष्णव, सुनीता चौधरी, सुनीता राव, सुनीता भटनागर व तेजश्री का रहा।

डॉ. दिलीपसिंह बने उपाध्यक्ष

उदयपुर। योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के चुनाव जयपुर में हुए। सत्र 2025 से 2029 की कार्यकारिणी में उदयपुर के डॉ. दिलीपसिंह चौहान को उपाध्यक्ष बनाया गया। डॉ. चौहान उदयपुर योग संघ के सचिव एवं राजस्थान विद्यापीठ के शारीरिक एवं योग शिक्षा के निदेशक हैं।

राष्ट्रीय भारत विकास संस्थान का गठन

बसंतकुमार

शंकरलाल जिनावत

मावली। कस्बे में नई संस्था राष्ट्रीय भारत विकास संस्थान का गठन किया गया है। जिसमें संरक्षक ओमप्रकाश चेचानी, मुख्य परामर्शदाता शंकरलाल जिनावत, अध्यक्ष बसंत कुमार त्रिपाठी, निर्देशक सतीश मेहता, मुख्य समन्वयक, शंकरदास वैरागी, कोषाध्यक्ष नारायणलाल चौधरी, प्रवक्ता घनश्याम जोशी मनोनीत किए गए हैं। संस्था मावली नगरपालिका क्षेत्र से किसी भी कार्यालय के अन्यत्र स्थानांतरण का विरोध करेगी। उप जिला चिकित्सालय एवं ट्रोमा सेंटर को मावली में यही रखने का अभियान चलाया जाएगा।

चेतना व चन्द्रेश को हिंदी काव्य रत्न सम्मान

चेतना भाटी

चन्द्रेश छतलानी

उदयपुर। हिंदी दिवस पर नेपाल के लुंबिनी नगर में शब्द प्रतिमा फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में उदयपुर की पुलिस अधिकारी चेतना भाटी व चन्द्रेश छतलानी को हिंदी काव्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

सेंट एंथोनी स्कूल का दबदबा

उदयपुर। सेंट एंथोनी सीनियर सैकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 112 मेडल के साथ-साथ 19 चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। साथ ही विद्यालय के 45 छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। प्राचार्य विलियम डिसूजा ने बताया कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 25 स्वर्ण, 53 रजत व 34 कांस्य पदक जीते व इन प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के कुल 45 छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ।

सेंट मैथ्यूज की नेहल का बैडमिंटन में स्वर्णिम प्रदर्शन

उदयपुर। 68वीं जिला स्तरीय अंडर 17 एकल बैडमिंटन प्रतियोगिता में सेंट मैथ्यूज मिशन स्कूल की नेहल सिसोदिया ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। विद्यालय की निदेशक ग्लोरी फिलिप ने नेहल को इस शानदार जीत पर बधाई दी।

द ग्रेट खली उदयपुर आए

गत दिनों द ग्रेट खली उदयपुर आए। उन्होंने अपने मित्र अर्जुन पालीवाल के साथ आगामी दिनों में लेकसिटी में रेसलिंग प्रतियोगिता को लेकर चर्चा की।

डॉ. दीपा को डिप्टी सीएम ने दिया अवार्ड

उदयपुर। मेडिकल साइंस की सहायता से चेहरे को आकर्षक बनाने के लिए अर्थ स्किन की डायरेक्टर डॉ. दीपा सिंह को उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गत दिनों अवार्ड प्रदान किया। इससे पहले वे क्लीनिकल कॉस्मेटोलॉजी और मेडिकल एस्थेटिक्स के क्षेत्र में दो वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर चुकी हैं। महाराष्ट्र के गर्वनर भी उन्हें लेजर क्वीन के खिताब से नवाज चुके हैं। क्लीनिकल कॉस्मेटोलॉजी मेडिकल एस्थेटिक्स और लेजर के क्षेत्र में उत्तर सेवाओं के लिए उन्हें राजस्थान और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री भी अवार्ड दे चुके हैं। हाल ही लंदन के ब्रिटिश पार्लियामेंट में उन्हें क्लीनिकल कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया था।

एक्मे फिनट्रेड की गोगुंदा में शाखा

उदयपुर। गोगुदा में एक्मे फिनट्रेड इंडिया लिमिटेड की शाखा का शुभारंभ हुआ। शाखा में वाहन लोन व प्रोपर्टी लोन जैसी सेवाएं मिलेगी। मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल कुमार जैन ने ब्रांच का शुभारंभ करते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहकों को आसान शर्तों पर सभी प्रकार के लोन प्रदान किए जाएंगे। निदेशक राजेन्द्र चित्तौड़ा ने इस अवसर पर कंपनी के अधिकृत अधिकारी अनिल कोठारी एवं अल्पेश कोठारी को बिजनेस के लिए अधिकृत किया।

प्रथम तल का भूमि पूजन

उदयपुर। चित्रकूट नगर स्थित महेश सेवा संस्थान भवन के प्रथम तल पर वैदिक मंत्रों के साथ भूमि पूजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष राजेश राठी ने बताया कि अतिथि माहेश्वरी के समाज कौशल्या गट्टानी, बालकृष्ण जागेटिया, जगदीश तोषनीवाल, रामनानारायण समदानी एवं वीरेन्द्र प्रकाश राठी थे। प्रथम तल पर सात कक्षा कक्ष, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय तथा लिफ्ट का निर्माण किया जाएगा।

चौधरी को पीएचडी

उदयपुर। जर्नादनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने समाज कार्य संकाय मे कुशलेश चौधरी को पंचायती राज व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी तथा नवीन प्रवृत्तियों का एक अध्ययन, दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्र के यवुाओं के विशेष संदर्भ में शोध कार्य करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। कुशलेशकुशलशे ने यह शोध कार्य डॉ. सुनील चौधरी के निर्देशन में किया।

सीता रॉयल लेक साइड शैले होटल का शुभारंभ

उदयपुर। सीता रॉयल लेक साइड शैले होटल का शुभारंभ गत दिनों केमेक्सिन कंपनी के वाइस चेयरमैन डॉ. सतीश डब्ल्यू वाघ ने किया। होटल के सह निदेशक गुरुदास वर्मा ने बताया कि आधुनिक लक्जरी बुटीक होटल की श्रेणी में तैयार इस होटल में शांति और परिष्कार का वातावरण उपलब्ध होगा।

अजात शत्रु सम्मानित

उदयपुर। कवि राव अजातशत्रु को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेमसिंह तमांग ने कवि शिरोमणि सम्मान से विभूषित किया। गेंगटोंक में आयोजित कवि सम्मेलन में देश के अन्य प्रदेशों के साथ नेपाली के कवि भी उपस्थित थे।

मधुर मुस्कान का विमोचन

उदयपुर। वरिष्ठ नागरिक मुस्कान क्लब यूथ रिविजिटेड की त्रैमासिक पत्रिका मधुर मुस्कान (अक्टूबर-दिसम्बर 2024) का विमोचन एडीजे कुलदीप शर्मा, कवि सिद्धेश्वर सिद्ध, गट्टानी फाउंडेशन की संरक्षक कौशल्या गट्टानी, चीफ केयरटेकर डॉ. श्रद्धा गट्टानी, नितिन गट्टानी व मुस्कान क्लब कार्यकारिणी द्वारा किया गया। प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि मधुर मुस्कान का यह अंक बाल गोपाल विशेषांक के रूप में प्रकाशित हुआ है।

बक्षी अध्यक्ष, चक्रवर्ती बने सचिव

उदयपुर। उदयपुर जिला टेनिस संघ की साधारण सभा की बैठक में नई कार्यकारिणी के चुनाव में अध्यक्ष सुधीर बक्षी, मानद सचिव अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपांकर चक्रवर्ती पांचवी बार एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य निर्विरोध चुने गए। चक्रवर्ती ने बताया कि 20 वर्ष बाद अखिल भारतीय टेनिस एसोसिएशन ने राज्य टेनिस संघ को मान्यता दी है। जिससे राजस्थान में अब डेविस कप एवं अन्य इनामी प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सफलता के लिए लाइफ स्किल्स आवश्यक

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के सीईओ और तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. अरविंदर सिंह की अंतरराष्ट्रीय टेडेक्स टॉक अभी हाल ही में प्रकाशित हुई। डॉ. अरविंदर ने बताया कि पढ़ाई और किताबी ज्ञान के अलावा जीवन में लाइफ स्किल्स का बहुत महत्व है। इस टॉक में डॉ. सिंह ने मुख्यतया कम्युनिकेशन, निगोशिएशन, प्रेजेंटेशन और पब्लिक स्पीकिंग स्किल्स पर जोर दिया। डॉक्टर सिंह ने बताया कि अकेदमिक शिक्षा मजबूत नींव का तो काम करती है लेकिन वह पर्याप्त नहीं, पढ़ाई के साथ-साथ लाइफ स्किल्स को सीखना

एकमे फिनट्रेड की उदयपुर रिटेल शाखा का शुभारंभ

उदयपुर। एकमे फिनट्रेड की उदयपुर रिटेल शाखा का शुभारंभ सीए सर्कल स्थित गोकुल टावर में हुआ। चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल कुमार जैन ने बताया कि नवरात्रि के नौ दिन में नौ ब्रांच शुरू की गई। जिसमें उदयपुर रिटेल शाखा भी शामिल है।

डॉ. शास्त्री भक्तामर यंत्र से सम्मानित

उदयपुर। दशलक्षण महापर्व पर दिल्ली स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पांडव नगर में अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री एवं उनकी पत्नी डॉ. सीमा जैन को भक्तामर यंत्र द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन एवं महामंत्री विनोद जैन ने प्रदान किया।

डॉ. खराड़ी सम्मानित

उदयपुर। इंटरनेशनल रोमा कल्चरल युनिवर्सिटी (आईआरसीयू) द्वारा अंतरराष्ट्रीय जनजाति संस्कृति समारोह 2024 गत दिनों जवाहर कला केन्द्र जयपुर के सभागार में हुआ। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश खराड़ी को अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में पूरे देश से आए कई विशिष्टजन को उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्र में किए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

Happy Diwali

Mayank Kothari
Director
Cell: 9214436647

ARIHANT
Mahila Teachers Training College

- To serve the objective of excellence, coupled with equity and social justice, in the field of Teacher Education.
- To prepare Teachers who serve as catalyst of a nation wide programme of school improvement.
- To provide good quality modern education including a strong component of culture inculcation of values, awareness of the environment, adventure activities and physical education to the would-be teachers.
- To serve as focal point for improvement in quality of school education in general through sharing of experiences and facilities.

Anand Pura, B/H Old Alcobacs Factory, Airport Road, Po. Dabok, Udaipur - 312022 (Raj), Ph.: 0294-6454399, Visit us: www.arihantcollege.org Email- arihant.mttc.udr@gmail.com

ARIHANT+
NURSING INSTITUTE

17 B-C, Saheli Marg, Near IDBI Bank, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2414718

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। ग्लोबल हिस्ट्री फोरम के संस्थापक-संरक्षक इतिहासविद् और पुरातत्ववेता डॉ. ललितजी पाण्डेय का 29 सितम्बर को देहावसान हो गया। उनके असामयिक निधन पर मेवाड़ के इतिहासकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। फोरम के महासचिव डॉ. अजात शत्रु सिंह शिवरती के अनुसार डॉ. पांडेय इंटेक के उदयपुर चेप्टर के भी अध्यक्ष थे। वे कई वर्षों तक राजस्थान विद्यापीठ के साहित्य संस्थान में निदेशक रहे। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती नीलकमल, पुत्र आशुतोष, पुत्री श्रीमती अदिति तिवारी व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। शहर जिला कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता, समाजसेवी श्री भगवानलाल सोनी (बेनाथिया) पुत्र स्व. श्री जमनालाल जी सोनी का 28 सितम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त भ्राता कमल सोनी, बहिन मंजू देवी, पार्वती देवी व अंजना देवी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री राजमलजी मूंदड़ा का 17 सितम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र कुंज बिहारी, दिलीप कुमार, दाऊ दयाल, मोतीलाल व रमेशचन्द्र, पौत्र-पौत्रियों तथा भाई-भतीजों का वृहद संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री रामजीवन जी तापड़िया का 6 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती गंगा देवी, पुत्र अनिल, सुनील व सतीश, पौत्र-पौत्रियों तथा भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुशीला जी मारू (धर्मपत्नी श्रीमती श्यामसुंदर जी मारू) का 6 अक्टूबर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र सतीश, सासु मां बदामबाई, देवर-देवरानी व पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री गेहरीलाल जी पालीवाल ओरड़ी वाला का 22 सितम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता, पुत्र एडवोकेट प्रकाश पालीवाल, पुत्री श्रीमती चन्द्रकांता, पौत्र-पौत्र, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कौशल्या देवी माहेश्वरी (बूब) धर्मपत्नी स्व. श्री शिवचरण जी का 15 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्रवधु रतनादेवी (स्व. श्री रमेशचन्द्र जी), हरीशचन्द्र व अशोक, पुत्रियां श्रीमती चन्द्रकांता लढ्ढा व संगीता देवपुरा तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज से सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेब टेक्निशियन एवं समाजसेवी श्री लालसिंह जी जाट का 12 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र गोपाल जाट (उपाध्यक्ष शहर जिला कांग्रेस), राजकुमार, मानसिंह एवं गजेन्द्रसिंह , पुत्री मंजू देवी, बहिन अम्बादेवी, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा दगोलिया जाट परिवार छोड़ गए हैं। करीब चार माह पूर्व ही उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विमलदेवी जी का निधन हुआ था।

उदयपुर। श्रीमती कंचन देवी जी मेहता नाई वाले का 24 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति श्री ईश्वरलाल जी, पुत्र सुनील, पुत्रवधु अनिता (स्व. अजय), पुत्री सारिका, पौत्र-पौत्री, देवर-जेठ व भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री सौभाग्य सिंह जी मांडावत का 10 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहलता पुत्र दिनेश, महेश व पंकज मांडावत, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री कन्हैयालाल जी मारू का 21 सितम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती मंगलादेवी, पुत्र सुनील कुमार, पुत्रियां श्रीमती अनिता गांग व सुनिता लोढ़ा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री बंशीलाल जी सोनावा (साहू) का 23 सितम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी, पुत्र राजेश व विनोद, पुत्री ललिता देवी दया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री भूपेन्द्र जी जैन (एडवोकेट) का 25 सितम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता श्रीमती कलादेवी-एडवोकेट रोशनलाल जी जैन, धर्मपत्नी श्रीमती अर्पिता देवी, पुत्री पूजा व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

Mohammed Irfan Mansoori
Director
Mob.: +91 9414163201

Dr. Nikita Maheshwari
Director
Mob.:- +91 94613 40804

Mohammed Imran Mansoori
Director
Mob.: +91 9983333388

NATIONAL

STEEL MART

Authorised Manufacturer & Supplier

Kitchen Fabrication | Kitchen Equipment | Kitchen Utensils | Crockery | Cuttlery | Glassware | Holloware | Linen | Housekeeping

Our Partners - Ocean, Ariane, CLAY CRAFT, JCPL MODERN LIVING

Our Clients - TAJ ARAVALI RESORT & SPA, RAMADA UDAIPUR RESORT AND SPA, Radisson BLU HOTELS & RESORTS, Radisson BLU RESORT GOA CAVELOSSIM BEACH, MAHUA BAGH

NATIONAL STEEL MART

Showroom 1: NSM, RK Circle, Opp Croma Store, Udaipur (7023414407)
Showroom 2: NSM, Mali Colony, Opp Lakecity Garden, Udaipur (9773319922)

HAPPY DIWALI

KTS PRIME RESIDENCY - II

KTS™ Karma towards Success

DIWALI OFFER

Layout Plan at Rev. Village Sakroda
The.Kurabad Udaipur

15 नवम्बर 2024 तक रजिस्ट्री करवाने पर 11000/- केश बोनस

5000 स्का. फीट. लेने पर Alkene Water Ionizer रुपये 2,80,000 का प्रोडक्ट फ्री

Contact: 9116116403, 9116116404

KTS PRIME

KTS™ Karma towards Success

ENAGIC® INDEPENDENT DISTRIBUTOR

पवित्रता प्रकृति के हृदय से

मिनरल एवं एल्कलाईन पानी के फायदे

1. यह कॉलेस्ट्रोल को कम करता है। 2. शरीर में एंटीऑक्सीडंट की मात्रा बढ़ाता है।
3. शरीर में पानी की अच्छी मात्रा में पूर्ति करता है। 4. लीवर के लिए राम बाण है।
5. गंजेपन से मुक्ति दिलाये, कब्ज से राहत मिलती है। 6. किडनी के लिए वरदान है।
7. याद्‌दाश्त बढ़ाने में सहायक। 8. बढ़ती उम्र मानों थम सी जाए।
9. मोटापा कम करने में सहायक। 10. गैस एवं एसिड बनने नहीं देता।
11. कैंसर की रोकथाम में सहायक। 12. युरिक एसिड को सामान्य रखता है।
13. जोड़ो के दर्द (गठिया) में आराम करता है। 14. आंखो की रोशनी तेज करने में सहायक
15. रक्तचाप का स्तर ठीक रखने में सहायक। 16. रुसी और बालो के झड़ने की समस्या दूर करें

यह पानी सभी बीमारियों से लड़ने की शारीरिक क्षमता बढ़ाता है।

चमत्कारी एवं चिकित्सीय पानी

Call For Demo: 9829839008, 9116116401

H-2012-0140 | think ... GBH First | AIIMS.UDR | C.No.-H-2023-1119 | MC-3548

जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स

(NABH प्रमाणित हॉस्पिटल्स)

3 हॉस्पिटल, 1 लक्ष्य

गुणवत्तापूर्ण सर्वोत्तम इलाज

90+ आईसीयू बेड | 2 कैथलेब

Most Advance TF Laser द्वारा प्रोस्टेट व स्टोन का उपचार

24 x 7 इमरजेन्सी सेवाएं

ट्रोमा । एम्बुलेन्स । पैथोलॉजी । फार्मेसी । ब्लड बैंक

हर पल परिवार जैसा ख़याल !

सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं

कार्डियोलॉजी	कार्डियक सर्जरी	न्यूरोलॉजी
पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी	न्यूरो सर्जरी	कैंसर रोग
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट	पेट एवं उदर रोग	मूत्र रोग
किडनी ट्रांसप्लांट	एंडोक्राइनोलॉजी	बर्न और प्लास्टिक सर्जरी

स्पेशियलिटी सुविधाएं

जनरल मेडिसिन	जनरल सर्जरी	अस्थि रोग
स्त्री व प्रसूति रोग	टी.बी. एवं श्वास रोग	नवजात एवं शिशु रोग
मानसिक रोग	नैत्र रोग	नाक/कान/गला रोग
चर्म रोग	दंत	

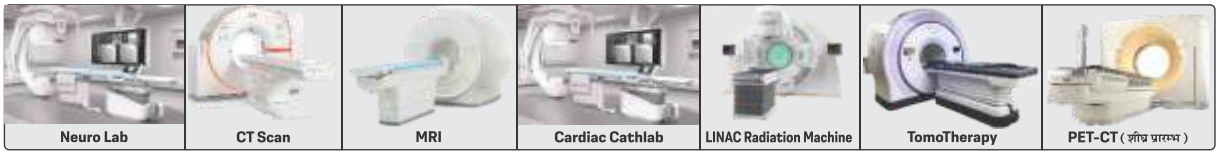

RGHS | मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | ECHS | ESIC | NWR | RSMM | जननी सुरक्षा योजना | TPA व इंश्योरेंस में कैशलेस इलाज

अमेरिकन हॉस्पिटल

भट्ट जी की बाड़ी, Ph. 0294-3535000

जनरल हॉस्पिटल

ट्रांसपोर्ट नगर के पास, बेड़वास, Ph. 0294-3536000

कैंसर हॉस्पिटल

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2024-25

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science, Jyotish
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course :** Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Faculty of Commerce : Mobile No. : 9460492196, 9460372183, 9461180053

B.Com., B.B.A., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Ph. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology

Faculty of Education - 9460693771

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)
प्रमाणपत्र: तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, कत्थक

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

B.A, BA (Additional), B.Lib MA (All Subjects), MA (Music)MA Education, M.Com, M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths), MA/M.Sc (Psychology), M.Lib PG Diploma in Guidance counseling, PG Diploma in Mental Health Counselling, B.Ed in Special Education (ID), B.Ed Special Education (HI) D.Ed. Special Education (IDD) D.Ed. Special Education (HI), D.Ed. Special Education (VI), (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2), DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation), DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval), D.Lib, Diploma in Music

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year(Wrestling, Judo, Powerlifting, Yoga, Weight Lifting, Boxing, Wusu)

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year (Hockey, Football, Kabaddi, Volleyball, Basketball, Badminton), PG Diploma in Yoga, M.P.Ed.

Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law)
Diploma in Criminal Psychology

Department of Pharmacy - 9414869044

D. Pharma (Diploma in Pharmacy)

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Ph. 9460322351, 9828045854, 9928544749, 9887574613

B.Sc. Nursing
G.N.M. Nursing

Udaipur School of Social Work - Ph. 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch)

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Ph. : 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology; PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology,
M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9694881447, 9079919960, 8209568068,9166157526

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740, 8769746883

Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery (BHMS) - 5 1/2 Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)

Faculty of Management Studies (FMS)
MBA - 9001056151,9414758184,9001556306,9782049628, BBA- 9950489333

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M.

Department of Travel, Tourism & Hotel Management
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA (Bachelor of Business Administration) BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Food Production)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur
Mob. : 9799693124,9929939963,9461658932,9461956134,6377836714,9636877910, 7976501619

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A.(Hindi Literature, Geography,Political Science), M.Com.(Banking, Business Administration), Regular special classes for competitive exams(free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Faculty of Education - Ph. : 8306182436, 0294-2655327

B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), B.Ed. (Child Development), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

Note :

For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 7, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001